RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●04 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 336 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

बीजापुर मुठभेड़ में 13 माओवादियों के शव बरामद

18 घंटे चला एनकाउंटर

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुई मुठभेड़ में 13 नक्सलियों के शव बरामद हो गए हैं। मंगलवार देर रात तक 10 ही शव मिलने की सूचना थी। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव के मुताबिक करीब 18 घंटे चले एनकाउंटर में कुल 13 नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें महिला नक्सली भी हैं। मंगलवार सुबह 6 बजे से शुरू हुई मुठभेड़ रात करीब 11 बजे खत्म हुई। जवानों ने नक्सलियों के पास से एके-47, एलएमजी जैसे ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए हैं। टेकलगुड़ेम मुठभेड़ की आज

तीसरी बरसी है। 3 अप्रैल 2021 में इस मुठभेड़ में 22 जवानों को नक्सलियों ने मारा था। वहीं, 3 साल बाद उसी इलाके में पुलिस ने एक साथ 13 माओवादियों को ढेर किया है। मुठभेड़ पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि सरकार नक्सलियों से चर्चा के लिए तैयार है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कोरचोली और लेंड्रा के जंगल में भारी संख्या में गंगालूर एरिया कमेटी के नक्सली मौजूद हैं। इस पर बीजापुर से डीआरजी, सीआरपीएफ, कोबरा, बस्तर फाइटर्स ने संयुक्त ऑपरेशन किया।

राजनीति से विदा हुए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह

खड़गे ने चिट्ठी लिखी-

- संसद को आपके ज्ञान की कमी खलेगी, ये एक युग का अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 33 साल बाद बुधवार को राज्यसभा से रिटायर हो गए हैं। वे 1991 में सबसे पहली बार असम से राज्यसभा पहुंचे थे। छठी और आखिरी बार वे 2019 में राजस्थान से राज्यसभा सांसद बने। मनमोहन सिंह के रिटायरमेंट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें खत लिखा। इसमें उन्होंने

कहा- अब आप सक्रिय राजनीति में नहीं होंगे, लेकिन आपकी आवाज जनता के लिए लगातार उठती रहेगी। संसद को आपके ज्ञान और अनुभव की कमी खलेगी। राज्यसभा से कुल 54 सांसदों का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है। इनमें से 49 सांसद 2 अप्रैल को सदन से रिटायर हुए। मनमोहन सिंह समेत 5 सांसदों का कार्यकाल बुधवार को खत्म हो गया है। इन 54 सांसदों में 9 केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं।

अब केंद्र व राज्य सरकारों के काम की होगी परीक्षा

यूपी की जनता तैयार कर रही मोदी-योगी का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव के तीन साल बाद हुए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 50 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की सीटों की गिनती 311 से घट कर 251 पहुंच गई। आखिर दस साल में नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की जनता के लिए क्या किया। सात वर्षों में योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के विकास के लिए क्या किया। उत्तर प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के अब तक के किए गए काम का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर रही है। हालांकि दो चुनावों से मोदी और योगी के उत्तर प्रदेश में नंबर कम आ रहे हैं। दोनों के रिपोर्ट कार्ड में कम होती नंबरों की संख्या के बाद बीजेपी मुस्तैद है। इस बार के लोकसभा के चुनाव में पार्टी नेतृत्व कोई कसर छोड़ने की मुद्रा में नजर नहीं आ रहा है। इस चुनाव में बीजेपी अकेले 80 सीटें जीतना चाहती है।

राम मंदिर निर्माण का फायदा पार्टी को मिलने की उम्मीद

लाजिम सी बात है, उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का लोकप्रियता का ग्राफ नीचे हुआ। बीजेपी को लगता है कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से उसे इस लोकसभा के चुनाव में लाभ पहुंचेगा। लेकिन वह इसके बाद भी कोई कसर छोड़ने को तैयार नहीं। पार्टी ने इसी लिए छोटे राजनीतिक दलों को अहमियत दे कर उत्तर प्रदेश के जातीय गुणा-गणित को दुरुस्त करने की पुरजोर कोशिश की है। इतने के बाद भी पार्टी पूरे इत्मीनान में नजर नहीं आ रही है। अबकी बार चार सौ पार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे को उत्तर प्रदेश की 80 में से अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करने की कोशिश में जुटे बीजेपी नेताओं ने इस सपने को साकार करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी का हर छोटे से बड़ा नेता इस काम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंके हुए हैं।

स्मृति बोलीं-हार के डर से कांग्रेसियों को भागने की आदत

पन्ना में वीडी शर्मा की नामांकन रैली में शामिल हुई, कहा-अबकी बार 400 पार

भोपाल। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा- हार के डर से कांग्रेसियों को भागने की आदत पड़ गई है। चाहे तो अमेठी वालों से पूछ लो। खजुराहो सीट पर भी कांग्रेस हार स्वीकार कर चुकी है। अबकी बार 400 पार। स्मृति ईरानी ने ये बात बुधवार को पन्ना में आमसभा में कही। वे यहां खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विष्णु दत्त शर्मा के नामांकन के मौके पर पहुंची थीं। सभा के बाद ईरानी और वीडी शर्मा खुले वाहन में कलेक्ट्रेट के लिए निकले। नामांकन का समय करीब होने और वाहनों की भीड़ के चलते वे रथ से उतरकर कार से कलेक्ट्रेट पहुंचे। शर्मा ने दोपहर करीब 3 बजे नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपा। इस मौके पर मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल, विधायक संजय पाठक और बृजेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी पन्ना में वीडी शर्मा के पक्ष में रोड शो किया। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में शामिल खजुराहो सीट पर अब तक 9 कैंडीडेट्स ने नामांकन जमा किया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सतना में बीजेपी प्रत्याशी गणेश सिंह के नामांकन भरने के मौके पर मौजूद रहे। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, वरिष्ठ नेता विवेक तन्खा और अरुण यादव बैतूल, टीकमगढ़ और होशंगाबाद में कांग्रेस प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल कराने पहुंचे। दूसरे चरण की रीवा, सतना, खजुराहो, बैतूल, टीकमगढ़, होशंगाबाद और दमोह लोकसभा सीट पर गुरुवार तक नामांकन जमा किए जाने हैं। अब तक रीवा लोकसभा सीट पर बीजेपी उम्मीदवार जनार्दन मिश्रा समेत 8 नामांकन जमा किए जा चुके हैं। बैतूल में 3 नामांकन दाखिल किए गए हैं।

बहन प्रियंका के साथ रोड शो, जनता से किया वादा

राहुल गांधी ने अलहदा अंदाज में किया वायनाड सीट से नामांकन

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और निवर्तमान सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को वायनाड लोकसभा क्षेत्र से नामांकन किया। इस दौरान उनके साथ प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। नामांकन से पहले राहुल गांधी ने वायनाड के कलपेट्टा से सिविल स्टेशन तक एक रोड शो भी किया। रोड में यूडीएफ के नेता और कार्यकर्ता भी शामिल रहे। इस मौके पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह वायनाड के मुद्दों को देश और दुनिया के सामने लाने के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली और केरल में कांग्रेस की सरकार बनी तो राज्य की सारी समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। राहुल गांधी का मुकाबला सीपीआई की राष्ट्रीय नेता और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) की उम्मीदवार एनी राजा और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन से होगा।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक और झटका!

बीजेपी में शामिल हुए बॉक्सर विजेंदर सिंह, ली सदस्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडल विनर बॉक्सर विजेंदर सिंह ने कांग्रेस छोड़ दी है। विजेंदर ने बुधवार को बीजेपी का कमल थाम लिया। पार्टी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में विजेंदर ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बीजेपी में शामिल होने पर विजेंदर सिंह ने कहा कि आज मेरी घर वापसी हुई है। विजेंदर सिंह ने कहा कि लोगों की उम्मीद पूरा करने के लिए बीजेपी में शामिल हुआ हूं। उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी में देश के विकास और लोगों की सेवा करने के लिए आया हूं। बिजेंदर सिंह साल 2019 में कांग्रेस में शामिल हुए थे। उन्होंने दक्षिणी दिल्ली संसदीय सीट से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था। विजेंदर सिंह साल 2008 में बॉक्सिंग ओलंपिक मेडल जीत चुके हैं। इसके अलावा कॉमनवेल्थ गेम में भी मेडल जीत चुके हैं। राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में नजर आए थे। विजेंदर सिंह को यूपी के मथुरा से लोकसभा का टिकट दिए जाने की चर्चा थी। माना जा रहा था कि विजेंदर सिंह को हेमा मालिनी के खिलाफ चुनावी समर में उतार जा सकता है।

महाकाल लोक में फिर से बदली जा रही है सप्तऋषि की मूर्तियां

इस बार ओडिशा से आए हैं कारीगर, 11 महीने में दूसरी बार हो रहा बदलाव

भोपाल। महाकाल की नगरी यानी उज्जैन स्थित महाकाल लोक में एक बार फिर सप्त ऋषि की मूर्तियों को बदलने की तैयारी की जा रही है। अब यह मूर्तियां एफआरपी की न होकर पत्थर की लगाई जाएगी। जिसके लिए काम शुरू भी हो चुका है। इन मूर्तियों को बनाने में लगभग 6 महीने का समय लगेगा। ज्ञात हो कि महाकाल

लोक में 11 महीने के बाद यह तीसरी बार सप्त ऋषियों की मूर्तियां बदलने की तैयारी की जा रही है। यह मूर्तियां लगभग ढाई करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही है। जिसे उड़ीसा से आए कलाकार तराश रहे हैं। यहां पत्थर की मूर्तियों दो फेज में बनाया जा रहा है। पहले फेज में महाकाल लोक के अंदर लगी सप्त ऋषि की मूर्तियां बनाई जा रही है। इसके बाद अन्य मूर्तियों पर भी काम किया जाएगा। जिसके लिए सीएम मोहन यादव के प्रशासन ने नए एस्टीमेट तैयार कर रहा है। जिसको जल्द ही इंपीमेंट किया जाएगा।

पुलिस ने सूचना सेठ के खिलाफ अदालत में दाखिल की चार्जशीट

गोवा में चार साल के बेटे की हत्या की थी, 14 जून को चिल्ड्रन्स कोर्ट में सुनवाई

पणजी (एजेंसी)। गोवा में अपने चार साल के बेटे की हत्या करने वाली सूचना सेठ के खिलाफ गोवा पुलिस ने चिल्ड्रन्स कोर्ट में 642 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। 7 जनवरी को बेटे का मर्डर करने के अगले दिन जब सूचना सेठ उसकी बॉडी को सूटकेस में भरकर टैक्सी से बेंगलुरु के लिए निकली, तो उसे कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार किया गया था। इस चार्जशीट में कैलेंगुट पुलिस ने लिखा है कि बच्चे की मौत गला घोंटे जाने के कारण सदमा लगने और सांस रुकने से हुई थी। चार्जशीट के मुताबिक, सेठ पर आईपीसी सेक्शन 302 (मर्डर) और 201 (सबूतों को मिटाना) और गोवा चिल्ड्रन्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। गोवा

चिल्ड्रन्स कोर्ट इस मामले की सुनवाई 14 जून को करेगी। गोवा पुलिस ने चार्जशीट में 59 गवाहों का नाम लिखा है। पुलिस ने इस चार्जशीट में उस पर्ची को भी अटैच किया है, जिस पर आरोपी ने अपने आईलाइनर से कुछ लिखा था। चार्जशीट में महिला के पति का स्टेटमेंट भी रखा गया है। पति का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद भी सूचना उसे उसके बेटे से मिलने नहीं देती थी। कर्नाटक के हिरियूर सरकारी अस्पताल के डॉक्टर कुमार नाइक ने बच्चे का पोस्टमॉर्टम किया था। उन्होंने बताया था कि बच्चे की हत्या गला घोंटकर की गई है। ऐसा लग रहा है कि तकिया या तौलिया से गला घोंटा गया है।

खरगोन के कांग्रेस प्रत्याशी का बीजेपी को खुला चैलेंज

कहा-मोदी के बजाय अपने दम पर चुनाव लड़ कर दिखाएं

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की तरह विपक्ष को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्व तरीके से मालूम है। शायद यही कारण है कि खरगोन-बड़वानी से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी को चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा है कि वह मोदी के नाम का उपयोग न करते हुए खुद के दम पर चुनाव लड़ कर दिखाएं। विपक्ष और सत्ता के बीच में शायद नरेंद्र मोदी नाम की ही दीवार आड़े आ रही है। वह नरेंद्र मोदी को हैट्रिक लगाने से रोकने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहा है। कांग्रेस ने वाणिज्य कर विभाग से वीआरएस लिए पोरलाल खरते को खरगोन-बड़वानी से अपना लोकसभा उम्मीदवार बनाया है। वीआरएस लेने के बाद से वे क्षेत्र में सक्रिय थे और अब प्रत्याशी बनाए जाने के बाद दिन-रात एक किए हैं। हाल ही में वह खरगोन पहुंचे और कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लिया, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सांसद और भाजपा नेता गजेंद्र पटेल को लेकर एक बड़ा दिया है जो वायरल हो रहा है।

छिंदवाड़ा में इमोशनल पिच पर बैटिंग करने आया नाथ परिवार

बीजेपी के यॉर्कर से दनादन बोल्ड हो रहे कांग्रेस के धुरंधर

भोपाल। छिंदवाड़ा का किला बचाने की लड़ाई में नाथ परिवार अब इमोशनल पिच पर बैटिंग कर रहा है। पिछले कई महीनों से मध्य प्रदेश कांग्रेस में मची भगदड़ अभी तक खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। बीजेपी के यॉर्कर से दनादन कांग्रेस के धुरंधर बोल्ड होते जा रहे हैं। एमपी का शायद ही कोई जिला बचा होगा, जहां कांग्रेस के बड़े नेता से लेकर कार्यकर्ता तक बीजेपी में शामिल होने से बचे हों। लड़ाई अब मध्य प्रदेश से होती हुई छिंदवाड़ा सीट पर आकर टिक गई है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में इस सीट को छोड़कर बाकी की 28 सीटों पर बीजेपी जीत गई थी। बची हुई कांग्रेस और नाथ परिवार अब इस सीट को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। बीजेपी ने साम-दाम, दंड-भेद की नीति अपनाकर छिंदवाड़ा के मेयर विक्रम अहाके को अपने पाले में कर लिया। ये वही मेयर थे, जिनके फैन राहुल गांधी से लेकर प्रियंका गांधी तक थीं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत कमलनाथ और नकुलनाथ के बीजेपी में जाने की अटकलों से हुई। दोनों दिग्गज नेताओं ने इन अटकलों को सिरे से नकारा और बीजेपी में नहीं गए। बीजेपी ने भी हार नहीं मानी और कमलनाथ के लगभग सभी करीबी नेताओं को अपने पाले में कर लिया। हाल ही में कमल नाथ के करीबी विधायक कमलेश शाह ने बीजेपी ज्वॉइन की। इससे पहले पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक दीपक सक्सेना के बेटे अजय सक्सेना बीजेपी में शामिल हुए थे। इन सब से असहज नाथ परिवार अब इमोशनल पिच पर बैटिंग करने उतर आया है। छिंदवाड़ा से कांग्रेस सांसद नकुलनाथ की पत्नी प्रिया नाथ भी अब इस किले को बचाने की लड़ाई में कूद गई हैं। बीते दिनों वह चौड़ाई के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मुझे दुख हो रहा है। जब मैं पिताजी कमलनाथ जी को देखती हूं, तो दुख होता है कि उन्होंने जिसे अपना समझा और जिन्हें हमने हमेशा अपने परिवार के करीब बैठाया, अपना आशीर्वाद दिया। अग्नि परीक्षा का समय आया तो उन्होंने धोखा दे दिया। इस बात से दुख होता है, क्योंकि हमने दिल से उन्हें माना था। इससे पहले छिंदवाड़ा कांग्रेस में मची भगदड़ पर बयान

देकर नकुलनाथ विवादों में आ गए थे। दरअसल, विधायक और मेयर के बीजेपी में जाने से तिलमिलाए नकुल नाथ ने उन्हें गद्दार और बिकाऊ कह दिया था। वह अमरवाड़ा के तामिया ब्लॉक के छिंदी गांव में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। अमरवाड़ा एक आदिवासी आरक्षित सीट है और नकुल नाथ एक आदिवासी गांव में बोल रहे थे। वहां उन्होंने आदिवासियों को कह दिया कि आपके द्वारा चुना गया विधायक गद्दार और बिकाऊ निकला। बेटे और बहू के अलावा कमलनाथ भी कई बार भावुक होकर जनता से अपील कर रहे हैं। लगभग एक महीने पहले वह छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा विधानसभा के ब्लाक हर्रई में ब्लाक कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- कमलनाथ को आप विदा करना चाहते हैं। मैं अपने आप को थोपना नहीं चाहता हूं। यह आपकी मनमर्जी है। भाजपा से डरिएगा मत, बस 6 हफ्ते की बात है। बीजेपी छलावा करती है। इसके बाद कई मौकों पर पूर्व सीएम कमलनाथ को भावुक देखा गया। वह हाल ही में अपने खास दोस्त दीपक सक्सेना को मनाने पहुंचे थे। वहां भी उन्हें मनाने की कोशिश की गई, अब इस कोशिश का कितना फर्क दीपक सक्सेना पर पड़ा होगा, ये आने वाला समय बताएगा।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 04 अप्रैल, 2024

शोकाज नोटिस जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शासकीय राजीव गांधी अस्पताल सिरोंज में पदस्थ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विकास कुमार सिंह को घायल व्यक्तियों की एमएलसी के दौरान बिना सूचना दिए अनुपस्थित पाए जाने पर शोकॉज नोटिस जारी किया है। संबंधित डॉक्टर को दो दिवस के अंदर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं नियत समय में जवाब प्रस्तुत न करने एवं जवाब संतुष्ट पद न पाए जाने पर संबधित के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। ग्राम बाबुलखेड़ी तहसील सिरोंज में दो पक्षों के मध्य हुए विवाद के कारण उपचार हेतु शासकीय राजीव गांधी अस्पताल सिरोंज में घायल व्यक्ति पहुंचे थे उपस्थित घायल व्यक्तियों की एमएलसी के दौरान रात्रि में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुमार सिंह अनुपस्थित पाए गए थे। जबकि लोकसभा निर्वाचन 2024 की प्रक्रिया गतिशील है जिसमें अधिकारी कर्मचारियों को सक्षम अधिकारी के बगैर अनुमति से मुख्यालय छोड़ने या अवकाश पर जाने की अनुमति नहीं है बिना सूचना दिए अनुपस्थित रहने से यह स्पष्ट है कि संबंधित डॉ ने अपने कर्तव्य के प्रति गंभीर ना होकर घोर लापरवाही बरती है जो कार्य के प्रति उदासीनता का घोतक है। इसी प्रकार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने एटफएसटी दल में शामिल उपयंत्री, बीआरसी कुरवाई जे.पी. रोहित को निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने पर शोकाज नोटिस जारी करते हुए अपना स्पष्टीकरण नोटिस प्राप्ति के दो दिवस के अंदर समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

लंबित आवेदनों की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने सोमवार को विभागो में लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान पूर्व से विभागीय लंबित आवेदनों के निराकरण करने में विशेष पहल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की जिला स्तरीय रैकिंग जारी होने के उपरांत लगभग एक सप्ताह तक विभागीय अधिकारी विशेष ध्यान नहीं देते है इस कारण से लंबित आवेदनो की संख्या बढने लगती है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण हेतु अब हरेक शनिवार की सायं चार बजे से विशेष बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में डी ग्रेड से संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों के कार्यो की विशेष तौर पर समीक्षा की जाएगी। उन्होंने राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य एवं जल संसाधन व पीएचई विभाग में सर्वाधिक आवेदन लंबित होने पर असंतोष जाहिर करते हुए उन्होंने समस्त एसडीएमों को निर्देशित किया है कि पटवारियों की बैठक आयोजित कर निराकरण मामलो में तेजी लाए। इसी प्रकार अन्य विभागो के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने समीक्षा बैठक के दौरान जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जन कार्यो के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए है साथ ही सभी एसडीएमों को उपार्जन केन्द्रो का आकस्मिक निरीक्षण कर बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है कि नही तथा उपार्जन दिशा निर्देशो का पालन केन्द्रो पर किया जा रहा है कि नहीं मानिटरिंग के दायित्व सौपे गए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल आपूर्ति के संबंध में कहीं कोई दिक्कत ना हो के विशेष प्रबंध सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि जिले में पेयजल आपूर्ति, उपार्जन कार्यो के साथ-साथ बिजली की आपूर्ति के संबंध में सीएम हाउस से सीधे आवेदकों से सम्पर्क किया जा रहा है। आवेदको से हुई चर्चा की जानकारियां जिला कार्यालय को उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि उपरोक्त कार्यो की मानिटरिंग के लिए व समय अवधि में जानकारियां सम्प्रेषण के लिए जिला पंचायत सीईओ को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि उपार्जन संबंधी समस्त कार्यो के लिए डीएसओ, पेयजल के लिए पीएचई के कार्यपालन यंत्री तथा सड़को के मामलो में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को समेकेतिक जबावदेंही सौंपी गई है अर्थात उपार्जन कार्यो के क्रियान्वयन हेतु अन्य विभागो से भी संबंधित समस्याओं के निराकरण की पहल सहायक नोडल नियुक्त जिला आपूर्ति अधिकारी को सुनिश्चित करनी होगी। इसी प्रकार पूर्व उल्लेखित विभागो के अधिकारियों को भी दायित्वों का निर्वहन करना होगा। कलेक्टेउट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना, उच्च न्यायालयों में प्रचलित प्रकरणों, लंबित पेंशन के प्रकरणों, राजस्व महा अभियान, शासकीय विभागो को भूमि आवंटन के प्रकरण सहित अन्य बिन्दुओं पर समीक्षा की गई है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर सुश्री निकिता तिवारी, श्री विनीत तिवारी के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

बुधनी में स्वीप गतिविधियों का आयोजन मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह ने जिले के सभी विभाग प्रमुख और नगरिय निकाय एवं अन्य संबंधितों को लोकसभा निर्वाचन-2024 में आमजनों में मतदान के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक मतदान कराने को दृष्गित रखते हुये पूरे जिले में मतदाता जागरूकता रैली एवं अनेक जागरूकता गतिविधयां आयोजित की जा रही है। इसी श्रृखला में स्वीप प्लान के अंतर्गत नगरपरिषद बुधनी में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसके तहत रैली तहसील कार्यालय बुधनी से लेकर स्वामी विवेकानंद बस स्टैंड तक निकली गई। रैली में तहसीलदार मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे

कलेक्ट्रेट कार्यालय में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन

रायसेन (निप्र)। माह अप्रैल 2024 के प्रथम कार्य दिवस पर कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्रगान जन-गण-मन का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर केसी पर्ते संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर मती अल्का सिंह सहित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया।

मतदाता जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिये कलेक्टर सिंह ने

हरदा (निप्र)। कलेक्टर आदित्य सिंह ने लोकसभा निर्वाचन के मतदान से पूर्व जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। उन्होने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोकसभा निर्वाचन के नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर निर्वाचन तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने कहा कि मतदाता जागरूकता गतिविधियों में अधिकाधिक लोगों को शामिल करें तथा मीडिया प्रतिनिधियों को भी इन गतिविधियों से जोड़ें। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय व सु रजनी वर्मा तथा डिप्टी कलेक्टर संजीव नागू सहित लोकसभा निर्वाचन के अन्य नोडल अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिये कि मतदाता जागरूकता गतिविधियों में एनसीसी व एनएसएस के विद्यार्थियों को भी शामिल किया जाए। उन्होने वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिये मतदान केन्द्रों पर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये। बैठक में उन्होने सभी सेक्टर अधिकारियों को ईवीएम मशीन संचालन के संबंध में ट्रेनिंग दिलाने के निर्देश दिये। उन्होने सभी मतदाताओं के वोटर कार्ड व मतदाता पर्ची व्यवस्थित तरीके से वितरित कराने के लिये भी कहा। कलेक्टर सिंह ने जिला परिवहन अधिकारी को मतदान दलों को मतदान केन्द्र तक ले जाने व वापस लाने के लिये पर्याप्त संख्या में वाहनों का अधिग्रहण करने के निर्देश भी दिये।

सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को किया जा रहा है प्रेरित

रायसेन (निप्र)। जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अधिकाधिक मतदान हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे के निर्देशन में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं द्वारा महिलाओं को लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। संसदीय क्षेत्र-17 होशंगाबाद में शामिल उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल 2024 को मतदान होना है। इसी प्रकार भोजपुर विधानसभा के बाड़ी विकासखण्ड के ग्राम गोल में स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा घर-घर जाकर महिलाओं को आगामी 07 मई को मतदान केन्द्र जाकर मतदान करने का संकल्प दिलाया गया।

पांचो विधानसभाओं में जारी प्रशिक्षण में मतदान कर्मी निर्वाचन कार्यो की जानकारी से बखूबी अवगत हो रहे

विदिशा (निप्र)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिये जिले की पांचों विधानसभाओं के मतदानकर्मियों के लिए एक साथ दो-दो पालियों में प्रशिक्षण जारी है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन में मतदान दलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसके लिए मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया से भली भांति अवगत होना आवश्यक है।

प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दल के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, मतगणना एजेंटों की मतदान केंद्र पर नियुक्ति, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं माकपोल, मतदान की पूर्व तैयारी एवं माकपोल, माकपोल का क्रम, माकपोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, माकपोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश हेतु अनुमति धारक व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान के दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, विस्थापन, व्हीव्हीपीएटी पेपर स्लिप पर गलत प्रिंट, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, किंग, बुकलेट प्रपत्र, आदि की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा पीठासीन अधिकारियों को डज नाट, डू नाट की जानकारी से भी मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 विदिशा के मतदान कर्मियों के लिए एसएटीआई डिग्री कॉलेज में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा के लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 146 कुरवाई (अजा) के मतदान कर्मियों के लिए शासकीय सीएम राईज स्कूल में, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के मतदान कर्मियों के लिए शासकीय लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद के मतदान कर्मियों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय महानीम चैराहा शमशाबाद में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एक से पांच अप्रैल तक प्रथम चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी तथा मतदान दल अधिकारी क्रमांक एक, मतदान दल अधिकारी क्रमांक दो एवं मतदान दल अधिकारी तीन प्रशिक्षण में शामिल हुए। विकासखण्डवार नियुक्त मतदानकर्मी तदानुसार विदिशा में 2427, बासौदा में 1279, ग्यारसपुर में 623, कुरवाई में 617, लटेरी में 655, नटेरन में 719 तथा सिरोंज में 940 मतदानकर्मियों के लिए प्रशिक्षण जारी है।

प्रशिक्षण का निरीक्षण

विदिशा विधानसभा क्षेत्र के मतदान कर्मियों के लिए एसएटीआई डिग्री कॉलेज में जारी प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा एवं विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने निरीक्षण किया है उन्होंने मतदान कर्मियों को संबोधित कर निर्वाचन कार्यों की बारीकियों से अवगत भी कराया। शमशाबाद विधानसभा के शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में जारी प्रशिक्षण का संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती शशि मिश्रा, श्रीमती निकिता तिवारी तथा एसडीएम व एआरो श्री अजय प्रताप सिंह पटेल ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। सिरोंज विधानसभा के शासकीय एलबीएस कॉलेज में जारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष कुमार बिटोलिया ने पहुंचकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मतदान कर्मियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। एआरो व एसडीएम श्री मनोज कुमार प्रजापति ने कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के सीएम राईज विद्यालय में जारी प्रथम चरण के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया तथा मतदान कर्मियों से प्रशिक्षण के संबंध में जानकारियां भी प्राप्त की तथा एआरो व एसडीएम श्री विजय राय ने बासौदा के एलबीएस कॉलेज में जारी प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान कर्मियों को संबोधित कर निर्वाचन कार्यों की बारीकियों से अवगत कराया।

संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण के मापदण्डो से अभिप्रेरित हुए

विदिशा (निप्र)। राज्य सेवा के अधिकारियों को ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत विदिशा जिले में एक से छह अप्रैल तक भ्रमण हेतु कार्यक्रम तय किया गया है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने आरसीवीपी नरोन्हा एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल से आए नवागत अधिकारियों के लिए ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पल को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में क्या बदलाव आया है।

यह हमारी टेऊनिंग का प्रमुख हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणजनों से संवाद के दौरान मधुर व्यवहार गंभीरताओं के पालन पर बल देते हुए कहा कि सीखने वाले पार्ट का अनुसरण करें। गांव शोध अध्ययन का विषय है। कौन-कौन सी स्कीम ग्रामवासियों के उत्थान हेतु क्रियान्वित हो रही है से आप भलीभांति परिचित हो। सम्पूर्ण कार्यक्रम को प्रशिक्षण के दृष्टिकोण से देखें। उन्होंने पूर्व के अनुभवों को सांझा किया। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने बताया कि प्रशासन अकादमी से आए सभी राज्य सेवा के अधिकारियों के लिए आवंटित विकासखण्ड के छात्रावास में ठहरने व भोजन के प्रबंध सुनिश्चित किए गए है। प्रत्येक जनपद पंचायत के लिए एक-एक खण्ड स्तरीय नोडल व सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है वहीं जिलास्तरीय नोडल अधिकारियों को भी आवश्यक जबावदेंही सौंपी गई है। चार जनपद क्रमशः विदिशा, बासौदा, ग्यारसपुर और नटेरन में एक से छह अप्रैल तक की अवधि में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के लिए स्थानीय स्तर पर किए गए प्रबंधो से भी उन्होंने अवगत कराया। गौरतलब हो कि विभिन्न पदो पर चयनित राज्य सेवा के 19 अधिकारियो को विदिशा जिला आवंटित किया गया है इन अधिकारियों को चार ग्रुपों में विभक्त किया गया है।

मतदान केन्द्रो पर चार्जेबल एलईडी की व्यवस्थाएं कराने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लोकसभा निर्वाचन के तहत सात मई को होने वाले मतदान के दौरान हरेक मतदान केन्द्र पर रोशनी के संबंध में कोई व्यवधान ना हो पाए इसके लिए जिले की सभी पांचो विधानसभाओं के कुल 1341 मतदान केन्द्रो पर चार्जेबल एलईडी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश संबधित विभागीय भवनो के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को प्रेषित किए गए है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वैद्य के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा अनुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र विदिशा एवं सागर में सात मई को मतदान किया जाना है। मतदान पूर्व चिन्हित सभी मतदान केन्द्रो पर चार्जेबल एलईडी की व्यवस्ओं की पूर्ति कराए जाने के उपरांत जिला निर्वाचन कार्यालय को कायपूर्णतः संबंधी सूचनाएं सम्प्रेषित करने के निर्देश प्रसारित किए गए है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वैद्य ने उपरोक्त आदेश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी, परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र विदिशा, जिले के समस्त निकायो के अधिकारियों के साथ-साथ जनपदो के सीईओ और एकीकृत बाल विकास परियोजना के समस्त परियोजना अधिकारियों को जारी आदेश के क्रियान्वयन संबंध में दिशा निर्देश प्रसारित किए गए है।

जिला परिवहन कार्यालय पहुंच रहे मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक, दिलाई जा रही शपथ

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा जिले में सर्वाधिक मतदान हो इस उद्देश्य के साथ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ तथा स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट के निर्देशन में जिला परिवहन कार्यालय में अभियान के रूप में मतदाता जागरूकता के कार्यो का संपादन किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा ने बताया कि मतदाता जागरूकता स्वीप गतिविधि अंतर्गत सर्वाधिक मतदान हो इस उद्देश्य से कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस समेत विभाग से संबंधित अन्य कार्यो के लिए आने वालों को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है।

साथ ही उन्हें यह भी संदेश दिया जा रहा है कि वह अपने घर-परिवार, आस-पड़ोस और रिश्तेदारों को भी प्रेरित करें कि मतदान करना कितना महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही जिला परिवहन कार्यालय में लाइसेंस प्राप्ति के लिए आने वाले आवेदकों तथा अन्य से मतदाता जागरूकता के शपथ पत्र भी प्राप्त किया जा रहे हैं और उन्हें कार्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलवाई जा रही है। आज इस अभियान अंतर्गत जिला परिवहन कार्यालय में 458 मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया गया है और उन्हें यह संदेश भी दिया गया है कि ऐसी ही प्रेरणा अन्य सभी मतदाताओं को दें।

शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गम्भीरता के साथ संवेदनशीलता आवश्यक-सीईओ जिला पंचायत आमजन के प्रति शासकीय सेवकों का व्यवहार शिष्ट और शालीन हो: सीईओ तिवारी

सीहोर (निप्र)। राज्य प्रशासनिक सेवा के नवनियुक्त 22 अधिकारियों का अध्यन दल पांच दिवसीय भ्रमण पर सीहोर पहुंचा। इस दल में उप पुलिस अधीक्षक, सहायक संचालक तथा नायब तहसीलदार शामिल हैं। इस दल द्वारा पांच दिनों तक जिले का भ्रमण कर अनेक विभागों के कार्यों एवं गतिविधियों का अवलोकन किया जाएगा। जिला पंचायत सभाकक्ष में सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी ने इस दल के अधिकारियों को जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि शासकीय सेवा में आने का मतलब आमजन की सेवा के लिए आना है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह कर्तव्य हमेशा ध्यान में रहना चाहिए। सीईओ श्री तिवारी ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य के साथ साथ व्यवहार भी शालीन और आमजनों के लिए संवेदनशील होना चाहिए। इस दल अधिकारियों के द्वारा पंचायत के ग्रामीण विकास, राजस्व विभाग, स्व सहायता समूह, स्कूल, आंगनबाड़ी, मरनेगा के कार्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द का भ्रमण किया जाएगा और इन विभागों के कार्य प्रणाली को समझेंगें। इस अवसर पर भ्रमण दल के नोडल अधिकारी श्री श्याम धुर्वे, जनपद सीईओ श्रीमति नमिता बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सेल्फी पाइन्ट व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया मतदान के लिये प्रेरित

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिए हरदा जिले में 26 अप्रैल को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह के निर्देशन में जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के संबंध में गांव से लेकर शहर तक जगह-जगह मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इन गतिविधियों में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार को मतदाता जागरूकता गतिविधियों के तहत हरदा के शासकीय स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय में सेल्फी पाईन्ट स्थापित कर युवाओं को मतदान के लिये प्रेरित किया गया। इसी प्रकार खिरकिया के वार्ड क्रमांक 10 के आंगनवाड़ी भवन में मतदाता जागरूकता के लिये नुक्कड़ नाटक व मतदाता जागरूकता गीत के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित किया गया। जनपद पंचायत टिमरनी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रंगोली बनाकर व शपथ दिलाकर मतदान के लिये प्रेरित किया। इसके अलावा चारूवा के ग्राम पंचायत भवन में मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन के लिये 26 अप्रैल को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। सिराली के आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 5 में रंगोली बनाकर मतदान के लिये प्रेरित किया गया। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने ग्राम गुठानिया, छुरीखाल, चिकलपाट, राजाबरारी, खुदिया, जोगा, झिरीखेड़ा, सोडलपुर, साल्याखेड़ी, अबगांवखुर्द, सोनतलाई, मगराधा, कांकड़दा, कालपी, नीमगांव, गहाल व रातातलाई में महिलाओं को आगामी 26 अप्रैल को मतदान करने के लिये शपथ दिलाई।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, गुरुवार 04 अप्रैल, 2024

ब्लॉक के कारण दो ट्रेनें प्रभावित

इंदौर। पश्चिम रेल्वे अहमदाबाद मंडल में अहमदाबाद से गांधीनगर स्टेशन के मध्य प्रस्तावित ब्लॉक के कारण इंदौर-गांधीनगर-इंदौर शांति एक्सप्रेस को अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट/ऑर्जिनेट किया जाएगा तथा अहमदाबाद-गांधीनगर-अहमदाबाद के मध्य यह ट्रेन निरस्त रहेगी। 14 अप्रैल, 2024 से अगली सूचना तक इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 19310 इंदौर गांधीनगर शांति एक्सप्रेस अहमदाबाद स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा अहमदाबाद से गांधीनगर के मध्य निरस्त रहेगी। इसी प्रकार 15 अप्रैल, 2024 से अगली सूचना तक गांधीनगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 19309 गांधीनगर इंदौर शांति एक्सप्रेस, अहमदाबाद स्टेशन से चलेगी तथा गांधीनगर से अहमदाबाद के मध्य निरस्त रहेगी।

इंदौर में जल संरक्षण के लिए अभियान शुरू

इंदौर । जीवन पानी के बिना असंभव है। वंदे जलम और वंदे मातरम एक है। इसकी शुरुआत हमारा सौभाग्य है। नगर निगम का सबसे अधिक खर्च नर्मदा के पानी को जलूद से लाने में होता है। 450 करोड़ रुपये सालाना खर्च होता है। जैसी स्थिति बेंगलुरू की है, वैसी ही इंदौर की ना बने। इसके लिए यह अभियान शुरू किया है, जिसमें सभी की सहभागिता का है। आज की स्थिति में पूरी दुनिया में तीन प्रतिशत पीने योग्य पानी है, इसलिए इंदौर का भूमिगत जल खत्म हो ऐसी स्थिति न आए। हमारा अंडर ग्राउंड वाटर जिस स्पीड से कम हो रहा है, इसे लेकर हम जागरूक नहीं हुए तो बेंगलुरु जैसी स्थिति इंदौर की भी होगी।यह बात संस्था संघमित्र एवं विश्वम के तत्वावधान में भूजल संरक्षण के उद्देश्य से वंदे जल महाअभियान की शुरुआत के दौरान मंगलवार को रवींद्रनाट्य गृह में की गई। साथ ही बताया कि दस वर्ष पहले 75 से 150 फीट पर पानी उपलब्ध था, लेकिन आज 300 से 700 फीट पर पानी उपलब्ध है। हमारा लक्ष्य है की वर्षा के पानी के आधार पर हमारा चक्र चलाएं। 47 तालाब को खोदने का काम कर रहे हैं। आगामी समय में राऊ के तालाब को पुनर्जीवित करने का काम किया जाएगा, इसका पानी बिलावली, यहां से पिपलियाहाना ओर यहां से कान्ह नदी में मिलेगा। हमारा लक्ष्य रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम 50 हजार करना है। बेंगलुरु सहित भारत में जल संरक्षण पर काम करने वाले प्रसन्ना प्रभु ने कहा कि सब कहते हैं की बारिश कम हुई है, इसलिए पानी ज़मीन में नहीं गया। 94 प्रतिशत पानी व्यर्थ जा रहा है, आज उसे हम ज़मीन में उतार पाए तो भूजल बढ़ोतरी तय है, जो हम करना चाहते है उसे आंदोलन बनाना होगा। जन भागीदारी के बगैर यह संभव नहीं है अलग अलग तकनीक का प्रयोग होता है। कान्ह और सरस्वती नदी में भी बहुत गुंजाइश है।साथ ही बताया कि इंदौर की मिट्टी ठोस है। हमें इसके लिए चार से छह फीट तक का गड्ढा कर उसमें पत्थर डाल देना चाहिए। ताकि पानी आसानी से जमीन में चले जाए। इस प्रयोग से बेंगलुरू में 100 फीट तक वाटर लेवल बढ़ा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, विशेषज्ञ संदीप नरूलकर आदि मौजूद रहे। शहर में काम तो शुरू होते हैं, लेकिन उनकी निगरानी नहीं होती है। बावड़ी हादसे के बाद शहर के कुएं, बावड़ी को लेकर अभियान शुरू किया गया था, लेकिन चार-दिन बाद किसी ने ध्यान नहीं दिया। शहर में 1000-1200 सार्वजनिक बोरिंग होंगे, जो दो घंटे से अधिक चलते हैं। पानी का दोहन हो रहा है। इसके लिए कोई ठोस नीति बनाए जाए। जल संरक्षण पर पीएचडी करने वाली निहारिका शिवहरे ने कहा कि जल संरक्षण हमें अपने घरों से शुरू करना है। महिलाएं पानी का सबसे अधिक इस्तेमाल करती है, उसका उपयोग सीमित मात्रा में करे। सुमित सूरी ने कहा कि सभी होटल आधा ग्लास पानी ही दिया जाएगा।

चुनाव संपन्न कराने के लिए विशेष पुलिस के रूप में करेंगे नियुक्त होंगे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं अतिथि शिक्षक

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिये प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं अतिथि शिक्षकों को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश को 28 मार्च को इस आशय की स्वीकृति दे दी गई है। आयोग द्वारा यह स्वीकृति सिर्फ इसी लोकसभा निर्वाचन के लिये दी गई है।

जिला कलेक्टर ने की समन्वयकर्ता अधिकारियों की नियुक्ति

इन्दौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने लोकसभा निर्वाचन 2024 की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नोडल/सहायक नोडल/समन्वयकर्ता अधिकारी की नियुक्ति की है। संशोधित आदेशानुसार नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा को सामग्री प्रबंधन के दायित्व हेतु समन्वयकर्ता अधिकारी एवं नगर निगम अपर आयुक्त मनोज पाठक को परिवहन प्रबंधन कार्यों के लिए सहायक नोडल अधिकारी नियुक्ति किया गया है। कलेक्टर सिंह ने संयुक्त कलेक्टर प्रदीप सोनी को बैलेट/ईडीसी/ईटीपी बीएस से मतदान एवं पश्चातवर्ती कार्यवाही हेतु नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी के रूप में क्रमशः राजस्व निरीक्षक अखिलेश सरमंडल एवं मनीष भार्गव को नियुक्त किया है। इलेक्टारोल प्रबंधन के दायित्वों के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि वर्मा को नोडल अधिकारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी अनिल माथुर को प्रेक्षक प्रबंध के लिए सहायक नोडल नियुक्त किया गया है।

जिला न्यायालय परिसर में 05 अप्रैल को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

इंदौर। इंदौर जिले के जिला न्यायालय परिसर में स्थित डिस्पेंसरी में 05 अप्रैल को विशेष प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष बी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में शासकीय अष्टांग आयुर्वेदिक महाविद्यालय इन्दौर तथा सचिव बैनीदेवी बैजनाथ मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी इन्दौर के समन्यवय से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश आसिफ अहमद अब्बासी द्वारा बताया गया कि उक्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 05 अप्रैल 2024 को सुबह 10ः30 बजे प्रारंभ होगा। जिसमें जिले में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अभिभाषक एवं न्यायिक कर्मचारीगण के प्राथमिक स्वास्थ्य का परीक्षण किया जाएगा एवं निःशुल्क दवा का वितरण भी किया जाएगा। अब्बासी ने अपील की है कि समस्त न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं न्यायिक कर्मचारीगण उक्त शिविर में अपने स्वास्थ्य की जाँच कराकर शिविर का लाभ प्राप्त करें।

आग-कई गाय जलने से बचीं

इंदौर। सत्यसांई चौराहा के समीप पंचमुखी हनुमान मंदिर से लगी गोशाला में कल उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां भूसा खाली करने आई एक आइशर फंस गई और साइलेंसर गर्म होने के कारण आग पकड़ ली। हालांकि इस बीच कई गायों को दमकलकर्मियों ने बचा लिया।मिली जानकारी के अनुसार कल शाम पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास गोशाला में एक आइशर भूसा खाली करने आई थी। गाड़ी को ड्राइवर अंदर तक ले गया और गाड़ी वहीं फंस गई। इस दौरान आइशर का साइलेंसर गर्म हो गया था, जिसके कारण अंदर ही अंदर आग लग गई, जिसे देख ड्राइवर भाग गया, लेकिन वाहन के टायर आग के कारण फट गए। गाड़ी को निकालने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करना पड़ी। पोकलेन की मदद से वाहन को निकाला गया। आग फैलती तो पास के ही कोंदवाड़े में बंधी गाय आग की चपेट में आ जातीं। इसी प्रकार कृषि कॉलेज परिसर में उग रही घास में आग लग गई। उससे वहां लगे पेड़ भी जल गए। उमरिया खेड़ी में भी एक मकान में आग लगने की घटना हुई।

जमीनों के अवैध धंधे में लिप्त है मजबूत नेताओं के पट्ठे ?

शासन की नाक के नीचे ग्रीन बेल्ट की जमीन पर बस गई अवैध कॉलोनी राधाकुंज, प्लाट का रेट 2600 स्क्वायर फ़ीट

● बड़े नेताओं के संरक्षण में जमीनों का अवैध कारोबार ● बिना टीएनसी, बिना डायवर्सन, बिना रेरा अनुमति के काट दी कालोनी ● साढ़े 6 एकड़ की कालोनी में बन गए मकान भी ● एजेंटों के माध्यम हो रहा है प्लाटो का सौदा

विनय वर्मा

इंदौर। खंडवा रोड बिलावली तालाब के पास पुष्पकुंज हॉस्पिटल के करीब ÷राधा कुंज÷ के नाम से टीएनसी, डायवर्सन, रेरा की अनुमति के बगेर ही कालोनी बस गई है, यहाँ 26 सौ रुपए वर्ग फीट के भाव से प्लाट बेचे जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार ये कालोनी बड़े नेताओं के संरक्षण में विकसित की गई है उक्त कालोनी के कर्ताधर्ताओं के कहीं पते नही है । प्लाट बेचने वाले अपने आप को एजेंट बता कर प्लाट बेच रहें है। खंडवा रोड पर बसी इतनी बड़ी अवैध कालोनी की जानकारी क्षेत्र के पटवारी, तहसीलदार को कैसे नहीं है ? क्या ये अधिकारी जानबूझ कर आंखे बंद किए हुए है ? या फिर इनकी भी इसमें कोई मिली भगत है ? इंदौर के खंडवा रोड पर राधा कुंज के नाम से अवैध कालोनी काटी जा रही है। ग्रीन बेल्ट पर विकसित हो रही कालोनी में कोई सुविधा नहीं है यहाँ टीएनसी डायवर्सन रेरा इत्यादि कोई अनुमति नहीं है. कॉलोनाइजर का सीधा कोई अता पता नहीं है प्लाट दिखाने के लिए कालोनी में एक चौकीदार राजू मेवाड़ा को रखा हुआ है जो सीधे ही प्लाट खरीदने बेचने की डील करता है.

बता दें कि जिस जमीन पर कॉलोनी विकसित की जा रही है वह ग्रीन बेल्ट की जमीन है राधा कुंज कालोनी में न बिजली है न सड़क है और ना पीने के पानी की कोई सुविधा है। वहीं कालोनी के बीच से बिजली की हाई टेंशन लाइन भी गुजर रही है जो की कई मकानों की छत के बेहद करीब है जो कभी भी किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। कालोनी में कई मकान भी बन गए है यहाँ निवास करने वाले अधिकतर आस पास के ग्रामीण इलाकों के है, इतनी अनियमितताओं के बावजूद अभी तक प्रशासन के किसी अधिकारी का ध्यान इस तरफ नहीं जाना अपने आप के सवाल पैदा करता है।

इस सन्दर्भ में जब दैनिक सदभावना पाती अख़बार ने जवाबदार अधिकारीयों से बात करना चाही तो वो क्षेत्राधिकार की बात करते हुए एक दूसरे पर टालमटोली करते रहे.

● चौकीदार राजू मेवाड़ा बताता है कि -

राधा कुंज कालोनी में राजू मेवाड़ा चौकीदार है जो कि खुद ही प्लाट दिखाता है और बताता है इस जगह का भाव 24 सौ रुपए से लेकर 26 रुपए प्रतिवर्ग फिट है और जमीन के बीच से ही हाई टेंशन लाइन भी गुजर रही है राजू खुलकर बताता है कि यह कालोनी ग्रीन बेल्ट की जमीन पर है इस कालोनी में सरकारी बैंक से तो लोन नही मिल सकता है लेकिन प्रायवेट बैंक से लोग कराने की सुविधा है प्लाट की कीमत का 30 प्रतिशत देने पर बाकि की राशि का लोन हो सकता है।

इंदौर कलेक्टर ने अवैध कालोनाइजरों पर रासुका लगाने की बात कही थी -

इंदौर में इन दिनो जमीनो का बिजनेस खूब फल फुल रहा है, शहर और उसके आसापास वैध अवैध कालोनियां धड़ल्ले से बसाई जा रही है वैध से ज्यादा अवैध कालोनियां शहर में बस गई है. जिसमे भोले भाले लोगो को लोभ लुभावन प्रलोभन देकर प्लाट व मकान बेचे जा रहे है। इसको ध्यान में रखकर इंदौर कलेक्टर ने ऐसे अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ ही रासुका लगाने और कर्मचारियों और अधिकारियों के लिप्त पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कार्यवाही कराने की बात कही थी। लेकिन उसके बावजूद कॉलोनाइजरों पर कोई असर नहीं हो रहा है। अब देखना होगा कि इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह इस अवैध कालोनी राधा कुंज काटने वालों पर क्या करवाई करते है । क्या इन रसूखदार पर रासुका लगेगी ?

बदल जाएगी शहर की सूरत सडक़ों के लिए इंदौर को मिले 468 करोड़

इंदौर। निगम की माली हालत जहां खस्ता है, वहीं उसे वित्त वर्ष की समाप्ति के आखरी दिन शासन की ओर से बड़ा तोहफा मिला, जिसमें मास्टर प्लान की 23 सडक़ों के लिए 468.41 करोड़ रुपए की बड़ी राशि निगम के खजाने में जमा हो गई। हालांकि सडक़ों के विकास के लिए कुल 688.32 करोड़ के प्रस्ताव भिजवाए थे, जिसमें से 5 सडक़ों की राशि अभी मंजूर नहीं हुई है। पिछले दिनों विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गवद्वारा इस बारे में किए गए प्रयासों के प्रतिफल में यह राशि मंजूर हुई, जिससे अब इंदौर की सूरत भी बदल जाएगी, क्योंकि यातायात की दृष्टि से इन सभी सडक़ों का निर्माण अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसमें सबसे महंगी सडक़ 64.25 करोड़ की लागत से एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक बनना है।प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास नीरज मंडलोई भी निगम और प्राधिकरण से जुड़े कार्यों की समीक्षा करेंगे। इधर 23 सडक़ों के लिए 468.41 करोड़ की राशि मंजूर हुई, जो निगम खजाने में जमा भी हो गई। इन सडक़ों में वीर सावरकर प्रतिमा से अटल गेट, भमोरी चौराहा से एमआर-10 और राजशाही गार्डन से होटल वॉव तक की सडक़, एमआर-9 से मालवीय नगर गली नं. 2 होते हुए एलआईजी लिंक रोड और सबसे महंगी सडक़ एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक बनेगी। वहीं एमआर-5 में बड़ा बांगड़दा से पीएमएवाय योजना में बनी बिल्डिंगों तक सडक़ निर्माण, सांवेर रोड पेट्रोल पम्प से शिवशक्ति नगर हनुमान मंदिर तक, इंदौर बायपास पर होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट, एमआर-10 से एमआर-12 को जोडऩे वाली लिंक रोड, मूसाखेड़ी चौराहा से सांवरिया धाम मंदिर तक दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण, जमजम चौराहा से स्टार चौराहा, टीसीएस से एमआर-5 तक लिंक रोड, भागीरथपुरा मुख्य मार्ग, एमआर-4 से पुलिया तक, एबी रोड जीपीओ चौराहा से सरवटे बस स्टैंड, जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा, नेहरू प्रतिमा मधुमिलन चौराहा से छावनी पुल, रिंग रोड खजराना मंदिर द्वार से जमजम चौराहा, किला मैदान रोड गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार, कंडीलपुरा रोड, जो कि सुभाष मार्ग से इंदौर वायर चौराहा तक बनेगा।

नेमीनाथ चौराहा से जिंसी चौराहा, सुभाष मार्ग गोल मंदिर से रामबाग पुल, मच्छीबाजार चौराहा से चंद्रभागा पुल, आरई-2 भूरी टेकरी से नए आरटीओ के साथ ही एयरपोर्ट रोड से एमआर-5 को जोडऩे वाली लिंक रोड का विकास कार्य होना है। इन सभी 23 मास्टर प्लान की सडक़ों के निर्माण से शहर के व्यस्त यातायात को सुगम किया जा सकेगा, क्योंकि कई अन्य प्रमुख सडक़ों पर फ्लायओवरों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है।

संजय शुक्ला सहित चार को अवैध खनन के मामले 140 करोड़ का नोटिस

इंदौर । बरोली क्षेत्र में हुए अवैध खनन के मामले में पूर्व विधायक संजय शुक्ला, उनके भाई राजेन्द्र शुक्ला सहित चार लोगों को नोटिस जारी किया गया है। 140 करोड़ से अधिक के नोटिस में शुक्ला को 19 अप्रैल तक जवाब देना होगा। अपर कलेक्टर गौरव बेनल की कोर्ट ने नोटिस जारी किया है।अपर कलेक्टर गौरव बैनल ने बताया कि बारोली में हुए अवैध खनन में खनिज विभाग ने गणना के बाद जो जानकारी निकाली है, उसके मुताबिक यहां से 4 लाख 2 हजार 633 घन मीटर मुरम और 2 लाख घन मीटर से ज्यादा पत्थर निकाला गया है। मामले में संजय शुक्ला, राजेंद्र शुक्ला, ईडन गार्डन गृह निर्माण संस्था के अध्यक्ष निलेश पंसारी और मेहरबान सिंह के खिलाफ नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि इस मामले में फरवरी 2017 में केस दर्ज किया गया था। पूर्व कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने भी इसका संज्ञान में लिया था। वर्तमान कलेक्टर आशीष सिंह के आने के बाद 8 फरवरी 2024 को खनिज विभाग ने हिसाब बनाया और चार लोगों को नोटिस जारी किए गए। ज्ञात है कि शुक्ला हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके है। उन्होंने अवैध खनन की कार्रवाई के बाद भाजपा की सदस्यता ली थी।

गोबर से बनी ईंट से घटेगी मकान निर्माण की लागत

आइआइटी इंदौर ने विकसित की नई तकनीक

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने कम लागत में गोबर की मदद से ईंटें बनाने की नई तकनीक विकसित की है। संस्थान के सिविल अभियांत्रिकी विभाग ने गोबर आधारित प्राकृतिक फोमिंग एजेंट विकसित किया है। गाय के गोबर से बना प्राकृतिक फोमिंग एजेंट देश में अपनी तरह का पहला उत्पाद है। इस पर्यावरण हितैषी उत्पाद को निर्माण सामग्री में मिलाए जाने से न केवल मकान बनाने की लागत घटेगी, बल्कि इमारतें गर्मियों में ठंडी और सर्दियों में गर्म रहेंगी। यह पूरी तरह से गोबर निर्मित है। यह प्रौद्योगिकी प्रो. संदीप चौधरी और शोधार्थी संचित गुप्ता ने विकसित की है।दरअसल, अभी तक ईंट में फोमिंग एजेंट के लिए कई तरह के कैमिकल मिलाए जाते हैं। हमने गोबर से ही फोमिंग एजेंट तैयार किए हैं। इसे कांक्रीट में मिलाने से हल्का और अच्छी गुणवत्ता वाली ईंट तैयार होती है। यह व्यावसायिक रूप से उपयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत कम लागत पर उत्पादित की जा सकती है। यह लाल मिट्टी की ईंटों और फ्लाई ऐश ईंटों की तुलना में अधिक किफायती है। इस प्रकार गाय के गोबर से होने वाली आय में भी बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा गर्मियों के दौरान घरों को ठंडा और सर्दियों के दौरान गर्म रखने में मदद कर सकता है। यह नया उत्पाद पूरी तरह से प्राकृतिक है और मार्केट में उपलब्ध रसायनिक-आधारित फोमिंग एजेंटों की तुलना में कहीं अधिक पर्यावरण हितैषी और किफायती है। गोब-एयर के प्रयोग से टैक्स में मिलेगी सब्सिडी गोब-एयर के इस्तेमाल से ग्रीन बिल्डिंग स्कीम में भी लाभ मिलेगा। दरअसल, भारत सरकार ग्रीन बिल्डिंग्स स्कीम पर जोर दे रही है। इसके लिए सरकार ने रेटिंग सिस्टम भी बनाए हैं। जिन बिल्डिंग को ग्रीन रेटिंग अधिक मिलती है, उन्हें टैक्स में सब्सिडी व अन्य लाभ मिलते हैं। भारत में तीन एजेंसी बिल्डिंग की रेटिंग करती हैं, जिसमें जीआरएचए, एलईईडी और आइजीबीसी शामिल हैं। गोब-एयर से तैयार की गई ईंट के इस्तेमाल पर बिल्डर्स को कुछ अधिक प्वाइंट अर्जित करने में मदद मिलेगी। साथ ही बिल्डिंग अधिक पर्यावरण हितैषी रहेंगी।

पाठको तक सही और तथ्यपूर्ण जानकारी पहुंचाए पत्रकार - राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप में बोले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन

इंदौर। निर्वाचन संबंधी तथ्यात्मक एवं सही जानकारी मीडिया पाठकों तक पहुंचाएँ। आयोग का प्रयास है कि मीडिया को निर्वाचन संबंधी सभी अद्यतन जानकारियाँ दी जाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने यह बात गत दिवस प्रशासन अकादमी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप में कही। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में मीडिया की अहम भूमिका है।

राजन ने कहा कि सभी मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। मतदाता जागरूकता अभियान में मीडिया भी सहभागिता करे। राजन ने कहा कि वे लगातार मीडिया के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनकी शंकाओं का समाधान किया जा सके और पाठकों तक सही जानकारियाँ पहुंचे।

प्राधिकार पत्र धारक पत्रकारों को मिलेगी पोस्टल बैलेट की सुविधा

राजन ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्राधिकार पत्रधारक पत्रकारों को पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पत्रकार मतदान के दिन कव्हरेज में व्यस्त होने पर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 85 वर्ष से अधिक उम्र और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को उनकी इच्छा पर उन्हें घर से वोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

पत्रकार आयोग के आँख और कान

संयुक्त निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री ने कहा कि पत्रकार आयोग के आँख और कान हैं। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से आयोग को ऐसी जानकारियाँ मिल जाती हैं, जो कई बार प्रशासन की नजरों में नहीं आ पाती हैं। खत्री ने कहा कि एमसीएमसी कमेटी के अनुमोदन के बाद ही राजनैतिक विज्ञापन जारी किये जाएं। विज्ञापन समाचार के रूप में नहीं देना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से नेशनल मीडिया अवार्ड के लिये नामांकन दर्ज करने का भी आग्रह किया।

नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर प्रोफेसर पी.एन. सनेसर और डॉ. वाय.पी. सिंह ने सी-विजिल एप, केवाईसी, एमसीएमसी, पेड न्यूज, मीडिया एथिक्स और मतदान एवं मतगणना के दिन मीडिया कव्हरेज सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हर दो घंटे में जारी होगा मतदान का प्रतिशत

इन्दौर। लोकसभा चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। अधिकारियों की ट्रेनिंग के साथ साथ अब चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत हर दो घंटे में जारी करने के लिए निर्वाचन आयोग ने ऐप जारी किया है। मतदान प्रतिशत ऐप के माध्यम से नियुक्त पीठासीन अधिकारी अपनी सभी जानकारियां हर दो घंटे में लोड करेंगे। जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए नियुक्त पीठासीन अधिकारी अपने अपने मोबाइल पर मतदान दिवस के दो दिन पूर्व अनिवार्य रूप से मत प्रतिशत ऐप लोड कर लें, वहीं एक दिन पूर्व मोबाइल ऐप पर लागिंग कर लें। सामग्री प्राप्ति से लेकर मतदान दल रवाना होने और मतदान समाप्ति, मतदान केंद्र से वापसी, सामग्री जमा करने तक की समस्त जानकारी इस ऐप पर लोड की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने निर्देश जारी करते हुए सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि पीठासीन अधिकारी द्वारा सही-सही जानकारी समय-समय पर दर्ज की जाए, उसका पूरा ख्याल रखा जाए। **ऑनलाइन दिया प्रशिक्षण-** निर्वाचन आयोग के निर्देश के आधार पर ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट द्वारा अधिकारियों को उसका प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं दूसरे दौर का प्रशिक्षण 15 अप्रैल को दिया जाएगा। निर्देश में साफ उल्लेख किया गया है कि इस ऐप के माध्यम से सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को मतदान दल की ट्रेनिंग के दौरान अपनी-अपनी विधानसभा के पीठासीन अधिकारियों के मोबाइल पर उक्त ऐप डाउनलोड कराना सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही द्वितीय रेण्डमाइजेशन के बाद दल गठन होने और मतदान दलों की ड्यूटी तय होने के पूर्व इस ऐप पर केंद्रवार पीठासीन अधिकारियों की मोबाइल नं. की सूची भी एक्सेल फार्मेट में लोड की जाएगी।अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जा रहे मोबाइल नम्बरों के आधार पर सूची तैयार की जाएगी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 04 अप्रैल, 2024

संपादकीय | अरुणाचल प्रदेश पर अवैध दावेदारी...

अरुणाचल प्रदेश पर चीन ने एक बार फिर अपनी दावेदारी दिखाने की कोशिश की है। वहां के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अरुणाचल की तीस जगहों के नाम जारी किए हैं। पिछले सात वर्षों में यह चौथी बार है, जब चीन ने अरुणाचल की जगहों के भारतीय नामों को बदल कर चीनी नाम जारी किए हैं। अरुणाचल को वह जंगनान कहता और उसे दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बता कर उसे अपने नक्शे में दिखाता रहा है। हालांकि भारत ने हर बार उसकी ऐसी हरकतों का पुरजोर विरोध किया और दोहराया है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। मगर चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ करने की कोशिशों से बाज नहीं आता। उसके ताजा कदम के पीछे की वजहें समझी जा सकती हैं।

पिछले महीने प्रधानमंत्री ने अरुणाचल में सैन्य सुरंग का उद्घाटन किया था, तब भी चीन ने आपत्ति दर्ज की थी। दरअसल, उसी के बाद से चीन को लगता है कि भारत के अरुणाचल वाले हिस्से पर उसके कब्जे की रणनीति अब कामयाब नहीं होने पाएगी, क्योंकि इस सुरंग के खुल जाने से चीन के बहुत करीब तक भारतीय सेना की आसान पहुंच हो सकेगी। प्रधानमंत्री की अरुणाचल यात्रा के बाद अमेरिका ने भी कह दिया कि अरुणाचल को वह भारतीय क्षेत्र के रूप में मान्यता देता है और वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार सैन्य या असैन्य घुसपैठ या अतिक्रमण के जरिए क्षेत्रीय दावे करने के किसी भी एकतरफा प्रयास का दृढ़ता से विरोध करता है। इससे चीन की तिलमिलाहट और बढ़ गई।

चोरी-छिपे वास्तविक नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण करने का प्रयास करता रहा है। गलवान घाटी में उसके सैनिक इसी कोशिश के तहत घुसे थे, जिसे भारत ने पूरी ताकत से नाकाम कर दिया था। हालांकि बताया जाता है कि अब भी भारत के कुछ हिस्सों पर उसने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है। मगर इस तरह अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन कर और अपने नक्शे में पड़ोसी देश के हिस्से को दिखा कर कोई देश उस भूभाग का अधिकारी नहीं बन सकता।

चीन इस तथ्य को नहीं झुठला सकता कि अरुणाचल को वह जिस तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा बताता है, उस तिब्बत पर उसने खुद अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। अंतरराष्ट्रीय संधि के मुताबिक तिब्बत उसका हिस्सा नहीं, बल्कि स्वतंत्र राष्ट्र है। इस तरह चीन दो-दो भूभागों पर अवैध दावेदारी जताता रहा है।

चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत किस तरह पड़ोसी देशों, खासकर भारत की सीमा से सटे देशों में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के तरह-तरह के हथकंडे अपनाता रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय से छिपा नहीं है। पाकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव आदि को वित्तीय मदद पहुंचा कर वह उनके बंदरगाहों आदि पर लंबी अवधि का करार करके कब्जा जमा चुका है। दरअसल, भारत का आर्थिक विकास और दुनिया में एक ताकतवर शक्ति के रूप में उदय चीन को लगातार खटकता रहा है। फिर, अमेरिका के साथ बढ़ती उसकी नजदीकी भी उसे रास नहीं आती। इसलिए मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की मंशा से वह भारत के आसपास अपनी सामरिक और जासूसी गतिविधियां चलाने की कोशिश करता देखा जाता है। अन्यथा चीन इस बात से अनजान नहीं होगा कि किसी देश के किसी भूभाग का नाम बदल कर और उसे अपने नक्शे में दिखा कर उस पर कब्जा नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया से...

तीसरे टर्म में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा, यह गारंटी देने आया हूं। भ्रष्टाचार हर गरीब और मध्यम वर्ग का हक छीनता है। ऐसा नहीं होने दूंगा। आने वाले पांच साल बड़े फैसलों के होंगे। इसके लिए मोदी को और मजबूत करना होगा।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच कोई तुलना नहीं है। मोदी ने 23 साल में एक दिन भी अपने काम से छुट्टी नहीं ली। राहुल गांधी गर्मियां आते ही विदेश चले जाते हैं। कांग्रेस पार्टी उन्हें 6 महीने ढूंढती रहती है।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

अब आप (मनमोहन सिंह) सक्रिय राजनीति में नहीं होंगे, लेकिन आपकी आवाज जनता के लिए लगातार उठती रहेगी। तीन दशकों से अधिक समय तक आपने सेवा की है। आपके रिटायरमेंट से एक युग का अंत हो गया है। बहुत कम लोगों ने देश और उसके लोगों के लिए आपके जितना काम किया है।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

मेरी जीत लोकसभा से मेरे निष्कासन का करारा जवाब होगी। यह केंद्रीय एजेंसियों द्वारा उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की साजिश का करारा जवाब होगी। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) नियमों के लागू होने से उनके निर्वाचन क्षेत्र पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा, जहां काफी संख्या में मतुआ लोग रहते हैं।

महुआ मोइत्रा, टीएमसी नेता

आज का कार्टून

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन सचेत

15 सौ से अधिक मतदाता वाले केंद्र पर सहायक केंद्र बनाएंगे

इंदौर। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के लिए चार चरणों में होने वाले मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए 1500 से अधिक मतदाता संख्या वाले मतदान केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र बनाए जा रहे हैं। इस गर्मी में पूरे मध्यप्रदेश में 356 मतदान केंद्र बनाए जाने हैं। इसमें आधे से अधिक 191 मतदान केंद्र इंदौर जिले में बनाए जाएंगे। जिले में अब 2679 मतदान केंद्रों पर 27 लाख 95 हजार 751 मतदाता मतदान करेंगे। इसमें 14 लाख 11 हजार 166 पुरुष और 13 लाख 84 हजार 483 महिला मतदाता हैं। 102 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। पिछले चुनाव में इंदौर जिले में 2486 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसमें कई केंद्र ऐसे थे, जहां पर मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक थी। मई की भीषण गर्मी में इंदौर जिले में होने वाले मतदान को देखते हुए अधिक संख्या वाले मतदान केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को भेजा गया था। आयोग ने इंदौर जिले में 191 सहायक मतदान केंद्र बनाने की अनुमति जारी की है। गौरतलब है कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भी जिले में 79 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसके बावजूद विधानसभा चुनाव में अधिकांश पोलिंग बूथों पर लंबी कतारें लगी रही। कई लोगों को बिना मतदान के ही लौटना पड़ा था। जिला प्रशासन से एक प्रस्ताव बनाकर सहायक मतदान केंद्र बढ़ाने और एक केंद्र पर मतदाताओं की संख्या एक हजार रखने का प्रस्ताव आयोग को भेजा था।

इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों के लिए सहायक मतदान केंद्र बनाने की अनुमति भारत निर्वाचन आयोग ने दी है। प्रदेश में सर्वाधिक सहायक मतदान केंद्र विधानसभा क्षेत्र राऊ में 53 बनाए जाएंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र इंदौर-पांच में 50 सहायक मतदान केंद्र बनेंगे। महू में 20, सांवेर में 19, इंदौर-दो में 18, इंदौर एक में 18, देपालपुर में आठ, इंदौर चार में चार सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। वहीं इंदौर-तीन में सबसे कम एक मतदान केंद्र बनेगा। प्रदेश में कुल 356 सहायक मतदान केंद्र बनाए जाना है। इसमें से 25 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर एक-एक सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। वहीं नौ विधानसभा क्षेत्रों में दो-दो सहायक मतदान केंद्र बनेंगे। तीन विधानसभा क्षेत्रों में तीन-तीन और चार विधानसभा क्षेत्रों में चार-चार सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पूर्व में सात, नरेला व देपालपुर में आठ-आठ, उज्जैन दक्षिण व उज्जैन उत्तर में नौ-नौ, हुजूर में 29 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

संभागायुक्त दीपक सिंह ने आईडीए प्रोजेक्ट के कार्यों को समीक्षा की

इंदौर। संभागायुक्त और आईडीए अध्यक्ष दीपक सिंह ने टीपीएस योजनाओं के साथ फ्लाईओवर, एमआर सहित अन्य प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। आईडीए की ओर से पावर पाइंट प्रजेंटेशन के जरिए बताया गया कि अभी सात टीपीएस योजनाएं प्रचलन में हैं, जिनके विकास पर 794 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा रही है, तो दूसरी तरफ प्रमुख चौराहों पर फ्लायओवरों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें मंदिरों की शिफ्टिंग न होने के कारण बाधा अभी भी कायम है। संभागायुक्त ने चल रहे प्रोजेक्टों को गति देने, योजनाओं की जमीनों पर हुए अतिक्रमणों को हटाने के साथ ही उन संपत्तियों की लिस्ट बनाने के भी निर्देश दिए जिन्हें आईडीए भविष्य में टेंडर निकालकर बेच सकता है।

संभागायुक्त सिंह द्वारा सम्पूर्ण योजनाओं, टीपीएस से लेकर तमाम प्रोजेक्टों की समीक्षा की गई। उल्लेखनीय है कि संभागायुक्त सिंह पूर्व में प्राधिकरण के सीईओ भी रह चुके हैं। लिहाजा उन्हें प्राधिकरण की कार्यप्रणाली के साथ-साथ तमाम प्रोजेक्टों की बखूबी जानकारी भी है। प्रजेंटेशन के जरिए प्राधिकरण अध्यक्ष को बताया गया कि वर्तमान में 7 टीपीएस योजनाएं प्रचलन में हैं, जिनमें से टीपीएस-4 पर फिलहाल हाईकोर्ट का स्टे चल रहा है। वहीं दूसरी तरफ टीपीएस-1 में 48 हेक्टेयर से अधिक जमीन शामिल है, तो टीपीएस-3 में 143, 5 में 150, टीपीएस-8 में 279, टीपीएस-9 में 259 और टीपीएस-10 में 210 हेक्टेयर जमीनों पर प्राधिकरण काम कर रहा है। इनमें सडक़ ड्रैनेज सहित अन्य निर्माण कार्यों की भी पूर्व में बोर्ड बैठकों में प्रशासकीय मंजूरी ली जा चुकी है और लगभग 794 करोड़ रुपए के काम किए जाना है। वहीं इन योजनाओं में लगभग 8 किलोमीटर लम्बाई की मास्टर प्लान की सडक़ें भी प्राधिकरण बना रहा है और चल रहे ये निर्माण कार्य मार्च, जून और दिसम्बर 2026 तक पूरे कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी तरह प्राधिकरण द्वारा खजराना चौराहा, भंवरकुआ, संत सेवालाल, लवकुश चौराहा पर लेवल वन और लेबल टू फ्लायओवरों का निर्माण किया जा रहा है। मगर इनमें खजराना चौराहा फ्लायओवर पर मंदिर की शिफ्टिंग होना है, तो इसी तरह की बाधा भंवरकुआ, संत सेवालाल सहित लवकुश चौराहा लेवल-1 में भी है। मास्टर प्लान की 45 मीटर चौड़ी सडक़ पर भी कांकड़ पर बस्ती बसी है उसे हटाने के लिए कलेक्टर सहित निगमायुक्त को पत्र लिखे गए हैं। इसी तरह टीपीएस-9 की कुछ जमीनें संभागायुक्त भोपाल द्वारा मुक्त की गई और कई हिस्सों में हाईकोर्ट से भी स्टे मिलने के कारण सडक़ निर्माण प्रभावित हो रहा है। इसी योजना में जिला उद्योग केन्द्र द्वारा भूखंड पूर्व आबंटन किया गया था। उससे भी सडक़ निर्माण की बाधा कायम है, तो 200 से अधिक कच्चे-पक्के मकान की भी एक बस्ती भी आ रही है, संभागायुक्त ने इस तरह की सभी बाधाओं को दूर करने, चल रहे कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

रास उल्लास कार्यक्रम में भजनों पर झूमे श्रोता

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश जोशी को किया सम्मानित

इंदौर। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज इंदौर के सहयोग से अखिल भारतीय गौतम सोशल ग्रुप (रजिस्टर्ड) द्वारा मुकुल मांगलिक परिसर में रास उल्लास कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। होली मिलन समारोह में समाजजनों ने रंगों के बजाए फूल बरसाकर होली खेली। युवा भजन गायक कपिल पुरोहित के मन-मोहक भजनों ने समा बांध दिया, जिस पर श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए।

इस अवसर पर युवा संसद भी आयोजित की गई, जिसमें युवाओं की समाज से अपेक्षा और समाज के प्रति कर्तव्य विषय पर संवाद हुआ। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को डॉ. शिवशंकर शर्मा द्वारा पुरस्कृत किया गया। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश जोशी ने सामाजिक कार्यों के लिए इंदौर को मॉडल माना तथा जरूरतमंदों के लिए ब्लड की त्वरित व्यवस्था

करने के कार्य के लिए सतीश व्यास की प्रशंसा की। इस मौके पर समाजजनों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष जोशी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनका सम्मान भी किया गया।

रास उल्लास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति के साथ समाजजन उपस्थित हुए जिसमें श्रीमती संतोष जोशी, राष्ट्रीय महिला महासभा अध्यक्षा राधा पंचारिया, प्रधानमंत्री संगीता शर्मा, नगर सभा अध्यक्ष विष्णु व्यास, अभिभावक सम्मेलन के संयोजक सत्यनारायण शर्मा, श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास के अध्यक्ष जगदीश उपाध्याय, जीएसजी के संयोजक के.सी.शर्मा, वीरेंद्र व्यास, संरक्षक अरविंद तिवारी, राधेश्याम उपाध्याय, सह संयोजक प्रदीप उपाध्याय, उपसंयोजक डॉ. अखिल दुबे, जीएसजी के अध्यक्ष सतीश व्यास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेन्द्र आचार्य, उपाध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा, कोषाध्यक्ष मनीष दुबे, कार्य. प्रभारी मनीष जोशी, अभिषेक उपाध्याय, नीरज पंचोली, सुभाष आचार्य, आयुष व्यास, अक्षत गौतम, आशीष दुबे, प्रदीप मंडलोई, संतोष व्यास, नीतेश व्यास, संतोष तिवारी, संदीप दुबे, मीना पंचोली, संजय तिवारी, केतन व्यास, नितेश व्यास, यशदीप आचार्य प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव कमलेश तिवारी ने किया। आभार सतीश व्यास ने माना।

युवाओं तक पहुंचाएंगे पार्टी की विचारधारा, 13 से 15 अप्रैल के बीच होगी महा चौपाल

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी युवाओं तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने और उन्हें पार्टी से जोड़ने के लिए शहरभर में युवा चौपाल लगाएगी। इनके माध्यमों से पार्टी न सिर्फ युवाओं तक अपनी विचारधारा पहुंचाएगी, बल्कि उनसे फीडबैक भी लेगी, ताकि भविष्य में युवाओं के हितार्थ योजनाएं तैयार करने में इन सुझावों की मदद ली जा सके। चौपाल आयोजित करने की जिम्मेदारी भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) को सौंपी गई है।मोर्चा चार, पांच और छह यानी तीन दिन में शहरभर में 150 से ज्यादा युवा चौपाल आयोजित करेगा। प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो युवा चौपाल आयोजित की जाएगी। युवा चौपाल के माध्यम से युवा मोर्चा कार्यकर्ता भाजपा सरकार की विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ-साथ आगामी योजनाओं की जानकारी भी देंगे। चौपाल में शामिल होने के लिए घर-घर न्योता दिया जाएगा, ताकि युवाओं के साथ-साथ अन्य जन तक भाजपा की रीति-नीति पहुंचाई जा सके।

भाजयुमो के पदाधिकारियों के मुताबिक, युवा चौपाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता युवाओं को पार्टी की विचारधारा के बारे में जानकारी देंगे। युवा चौपाल में 18 से 21 आयु वर्ग के नव मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन नव मतदाताओं से देशहित में मतदान का आह्वान किया जाएगा। युवा चौपाल में शामिल होने वाले युवाओं का भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा केसरिया तिलक और भाजपा का दुपट्टा देकर सम्मान भी किया जाएगा। भाजयुमो अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने बताया कि युवा चौपाल के लिए हम 18 से 21 आयुवर्ग के युवाओं को आमंत्रित कर रहे हैं। इसके लिए मतदाता सूची के हिसाब से ऐसे नव मतदाताओं की चिह्नित किया जा रहा है। मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने नव मतदाताओं की सूची तैयार भी कर ली है। नव मतदाताओं को हम पीले चावल देकर युवा चौपाल में आमंत्रित कर रहे हैं।

एक वार्ड में दो चौपालों का लक्ष्य

मिश्रा ने बताया कि हमारा लक्ष्य शहर के प्रत्येक वार्ड में दो युवा चौपाल आयोजित करने का है। प्रत्येक वार्ड में 400 से 500 नव मतदाता चिह्नित किए गए हैं। चौपालों के माध्यम से केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

बहनों के लिए कान्क्लेव करेंगे

भाजयुमो 4 से 6 अप्रैल तक युवा चौपाल का आयोजन करने के बाद 7 से 10 अप्रैल तक शहर में बहनों का कान्क्लेव आयोजित करेगा। इन आयोजनों के माध्यम से युवतियों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाई जाएगी। इस कान्क्लेव में अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रही युवतियों को आमंत्रित किया जाएगा।

मिश्रा ने बताया कि भाजयुमो ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए पूरे अप्रैल की कार्ययोजना तैयार कर ली है। युवा चौपाल और बहनों का कान्क्लेव के बाद मोर्चा 13 से 15 अप्रैल के बीच महाचौपाल आयोजित करेगा। इसे नमो युवा महा चौपाल नाम दिया गया है। इसके तुरंत बाद 16 से 25 अप्रैल के बीच विधानसभावार मतदाता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

नुक्कड़ नाटक, फोटो, बैनर के माध्यम से करेंगे प्रदर्शन

भाजयुमो लोकसभा चुनाव से पहले 25 से 30 अप्रैल के बीच भंवरकुआं, एयरपोर्ट सहित शहर के 15 अलग-अलग स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, फोटो, बैनर आदि के साथ जनभागीदारी अभियान भी चलाएगा। इसके माध्यम से भाजपा की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ आमजन को मतदान के लिए प्रेरित भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जी में छंटनी के बाद अब सैलरी में कटौती, 20 प्रतिशत कम हुआ सीईओ पुनित गोयनका का वेतन

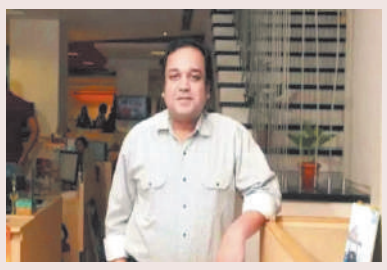

नई दिल्ली, एजेंसी। छंटनी के बाद अब जी एंटरटेनमेंट में सैलरी पर कैंची चलने लगी है। कास्ट कटिंग के तहत सीईओ पुनित गोयनका के वेतन में 20 पर्सेंट की कटौती की गई है। जी एंटरटेनमेंट ने मंगलवार को कहा कि कंपनी के सीईओ पुनित गोयनका अपने वेतन में 20 प्रतिशत की कटौती करेंगे। पिछले साल 31 मार्च तक गोयनका का सालाना सैलरी 35.07 करोड़ रुपये (4.21 मिलियन डॉलर) थी। कंपनी ने लेटेस्ट आंकड़ों के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। कंपनी के कास्ट कटिंग अभियान के तहत कुछ दिन पहले टेक्नोलॉजी और इन्वोशन सेंटर में छंटनी हुई है। जी अपने अंग्रेजी टीवी चैनलों सहित कुछ अन्य बिजनेस में घाटे को कम करने और प्रॉफिट टार्गेट को पूरा करने के लिए छंटनी और वेतन में कटौती के जरिए लागत कम करने की कोशिश कर रहा है। जी ने शुक्रवार को पैनल की सिफारिशों के आधार पर बेंगलुरु में अपने टेक्नोलॉजी और इन्वोशन सेंटर में कर्मचारियों की संख्या लगभग आधी कर दी थी। गोयनका इस साल की शुरुआत में सोनी इंडिया के साथ कंपनी के 10 अरब डॉलर के असफल मर्जर का एक प्रमुख कारण थे। मुख्य रूप से इस बात को लेकर गतिरोध था कि विलय की गई इकाई का नेतृत्व कौन करेगा। जी ने गोयनका को कमान संभालने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन बाजार नियामक सेबी द्वारा जांच का विषय बनने के बाद सोनी पीछे हट गई। सोनी इंडिया के साथ डील विफल होने के बाद से जी के शेयर लगभग 34 प्रतिशत खो टूट गए।

डीमर्जर की खबर के बाद शेयरों को लगे पंख, 17% बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटेल कंपनी आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल के शेयरों में आज तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर चार सालों के हाई पर हैं। शेयर में करीब 17 फीसदी की उछाल देखा गया है। कंपनी के शेयर में ये बढ़त जून 2020 के बाद किसी एक दिन में आई सबसे बड़ी तेजी है। फिलहाल शेयर पर यह 11.95 फीसदी की बढ़त के साथ 237 रुपए के भाव इंट्रा-डे में यह 16.86 फीसदी की मजबूती के साथ 247.40 रुपए के भाव तक पहुंच गया था। कंपनी के शेयरों में ये उछाल आदित्य बिड़ला फैशन से जुड़ी एक खबर के सामने आने के बाद से देखा जा रहा है। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने सोमवार को अपने फास्ट फैशन और रिटेल व्यवसाय मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल को एक अलग लिस्टेड इकाई में विभाजित करने की घोषणा की। कंपनी के एक बयान के अनुसार, एबीएफआरएल बोर्ड ने सोमवार को हुई अपनी बैठक में कंपनी के मैनेजमेंट को मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल व्यवसाय के वर्टिकल डीमर्जर का मूल्यांकन करने के लिए अधिकृत किया। इसके अलावा, प्रस्तावित डिमर्जर के पूरा होने के बाद, एबीएफआरएल अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और बड़े विकास के अवसर को आगे बढ़ाने के लिए ÷12 महीनों के भीतर विकास पूंजी जुटाएगी÷। गौरतलब है कि एमएफएल कारोबार को दिसंबर 1999 में आदित्य बिड़ला ग्रुप फर्म द्वारा कपड़े, जूते और परफॉर्मेंस मैटेरियल बनाने वाली ब्रिटिश मल्टीनेशनल कंपनी कोट्स वियेला की भारतीय इकाई से अधिग्रहित किया गया था।

Supreme Court ruling ensures equal internship pay for overseas medical graduates

Supreme Court has directed medical colleges to provide internship stipends to foreign medical graduates on par with their Indian counterparts. The decision came in response to a plea from a group of doctors highlighting the disparity in stipend payments faced by foreign medical graduates during their internships. During the hearing, the two-judge bench stressed the importance of treating all medical graduates equally, regardless of their nationality.

The court instructed the National Medical Commission (NMC) to furnish details regarding stipend payments to foreign medical graduates in three specific colleges: Atal Bihari Vajpayee Government Medical College, Vidisha; Dr La&minarayan Pandey Government Medical College, Ratlam; and Employees State Insurance Corporation Medical College, Alwar.

Emphasising the gravity of the directive, the court warned medical colleges of strong action if they failed to comply with the stipend payment guidelines. It reiterated that all medical colleges must adhere to the principle of equal treatment for MBBS and foreign medical graduates.

PAST AND PRESENT ACTIONS

Earlier, on January wx, the Supreme Court had sought responses from both the NMC and Atal Bihari Vajpayee Government Medical College following a petition filed by five foreign medical graduates.

The court's current ruling underscores the necessity for the NMC and related bodies to ensure fair stipend payments to foreign medical graduates throughout their internship period. The court's decision aims to uphold fairness and equality in the medical education system, ensuring that foreign medical graduates receive stipends consistent with the norms observed in other medical colleges across the country.

The ruling comes as a relief to foreign medical graduates currently interning at Atal Bihari Vajpayee Government Medical College in Vidisha, who had raised concerns about the disparity in stipend payments. They now await fair compensation for their efforts, as mandated by the Supreme Court.

IGNOU pushes June 2024 term end exam assignment deadline to April 30

The Indira Gandhi National Open University (IGNOU) has pushed back the deadline for the submission of assignments for the June w®wy term-end e&aminations (TEE), offering relief to enrolled candidates. In response to the prevailing circumstances, IGNOU announced on April w that candidates now have until April x® to submit their assignments, projects, dissertations, fieldwork journals, and internship reports for the upcoming June w®wy TEE.

An official statement from IGNOU affirmed the e&tension, stating, "With the approval of the competent authority, the last date for submission of assignments (both in hard copy and soft copy) for term end e&amination, June w®wy for both ODL and online programmes, GOAL and EVBB has been e&tended up to April x®."

Candidates are required to submit both hard and soft copies of their assignments through the official IGNOU website - ignou.ac.in. In addition to the assignment submission e&tension, IGNOU has also e&tended the deadline for the submission of e&amination forms. Candidates now have until April ww to submit their e&amination forms for the June w®wy TEE.

The term-end e&aminations for the June w®wy session are scheduled to commence from June v, w®wy, according to the official notice released by IGNOU.

IGNOU TEE EXAMINATION FEES

Candidates filling out the e&amination forms for the June w®wy TEE are required to pay a fee of Rs w®® per course, covering both theory and practical/lab courses. Additionally, students admitted from January w®wx onwards will face additional charges for practical and project evaluation.

This e&tension provides much-needed fle&ibility for IGNOU students, ensuring they have ample time to prepare and submit their assignments ahead of the upcoming term-end e&aminations.

दसवीं: परंपरागत विषयों से हटकर कई विकल्प मौजूद

इंदौर। पहले दसवीं के बाद केवल गणित और जीव विज्ञान का विकल्प हुआ करता था। परंतु अब कामर्स, मैनेजमेंट, ह्यूमिनिटी, अर्थशास्त्र, हास्पिलिटी एंड टूरिज्म जैसे कई विषय मिलने लगे हैं। इससे करियर के लिए कई विकल्प भी खुल रहे हैं। अब डिग्री का महत्व उतना नहीं रह गया है। जिस क्षेत्र में आपको जाना है, उसका कौशल सबसे महत्वपूर्ण है। सत्र 2024-25 में नई शिक्षा नीति में कक्षा 9 में एक विदेशी भाषा, स्थानीय भाषा और अन्य भारतीय भाषा लेना अनिवार्य हो जाएगा।विदेशी भाषा के रूप में अंग्रेजी का चलन है। स्थानीय भाषा इंदौर में हिंदी रहेगी और अन्य भारतीय भाषा के रूप में हिंदी भाषी राज्यों में संस्कृत भाषा पसंद की जाएगी। करीब 16 कौशल विषयों में एक विषय चुनना पड़ेगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ऐसे स्किल सेंटर बनाने की योजना बना रहा, जिसमें आसपास के स्कूल मिलाकर उस सेंटर का संचालन करेंगे।

छात्रों ने किया प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ चक्काजाम

इंदौर के खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर में बुधवार को खासी गहमागहमी रही। यहां एबीवीपी और एनएसयूआई के छात्रों ने डीएवीवी कैंपस के गेट पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटना से नाराज होकर डीएवीवी प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। बता दें कि मंगलवार रात 3 छात्राएं सिटी बस की चपेट में आकर घायल हुईं। इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है जबकि दो की स्थिति खतरे से बाहर है। यहां नए बने फोर लेन पर स्पीड ब्रेकर की मांग को लेकर ये विरोध प्रदर्शन किया।दरअसल यहां अनियंत्रित गति से वाहन चलते हैं और कई विद्यार्थी और उनके अभिभावक सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। वहीं डीएवीवी दो बार स्पीड ब्रेकर के लिए नगर निगम को पत्र लिख चुका है.. लेकिन नगर निगम का रवैया लापरवाह बना रहा जिसके चलते दुर्घटनाएं हो रही हैं। छात्रों के प्रदर्शन के मद्देनजर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और डीएवीवी की कुलपति प्रो रेणु जैन मौके पर पहुंचे और बच्चों से चर्चा कर समस्या के तुरंत निदान के निर्देश दिए।

NEET MDS 2024 results declared

The National Board of E&aminations in Medical Sciences released the result of the National Eligibility Cum Entrance Test for Masters of Dental Surgery (NEET MDS) 2024

लिबरल महाविद्यालय : विद्यार्थियों की सेशन कोर्ट में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई

इंदौर। सद्भावना प्रतिनिधि। सोमवार 1 अप्रैल 2024 को लिबरल कॉलेज राऊ इंदौर के विधि संकाय के छात्र-छात्राओं के लिए महू सेशन और जिला न्यायालय में कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विधि संकाय प्रोफेसर डॉ सनोबर रुकसाना , प्रोफेसर आराधना पांडेय और प्रोफेसर महफूज कुरैशी भी उनके साथ मौजूद थे। कार्यशाला में बैठक की व्यवस्था महू यूनियन बार हाल में कराई गई जिसमें अध्यक्ष स्वदेश दत्त पांडेय और महू कोर्ट के सचिव भारत सिंह ठाकुर जी भी मौजूद थे, उनके साथ कई वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने संभोदन किया। जिसमें उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किया वहां के सभी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के न्यायालय कक्ष का दौरा कराया गया जहां कुछ अधिकारियों के द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को आईपीसी के तहत कई अपराध जैसे घोर उपहति, यौन उत्पीड़न और धारा 376 जैसी कार्यवाहियों की विधि के प्रक्रिया का मार्गदर्शन किया। वही एडीजे महोदय खरे सर ने विद्यार्थियों को आईपीसी सीआरपीसी तथा साक्ष्य अधिनियम के बारे में मार्गदर्शित किया और सिविल जज की तैयारी के लिए प्रेरित किया तथा अन्य सुझाव दिए । और वर्तमान में लिबरल महाविद्यालय के सीएमडी डॉ जहूर अहमद पीर और कार्यकारी निदेशक विपिन राठौर के नेतृत्व में संस्थान निरंतर अनुसन्धान के माध्यम से सफलता के नए आयाम सुनिश्चित कर रहा है । सोमवार को संपन्न हुई विशेष कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार पाटीदार एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुहैल अहमद वानी का विशेष सहयोग रहा ।

एफवाय25 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी देश की इकोनॉमी, वर्ल्ड बैंक का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में देश की इकोनॉमी 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह अनुमान वर्ल्ड बैंक ने लगाया है। चालू वित्त वर्ष के लिए यह अनुमान वर्ल्ड बैंक के पिछले अनुमान से थोड़ा अधिक है। वर्ल्ड बैंक ने कहा-वित्त वर्ष 2024/25 में विकास दर धीमी होकर 6.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है, बाद के वर्षों में इसमें तेजी आएगी। वहीं, वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की विकास दर 7.5 प्रतिशत आंकी है, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा अनुमानित 7.6 प्रतिशत से थोड़ा कम है।

क्या है इकोनॉमी के बड़े फैक्टर

वर्ल्ड बैंक ने कहा कि भारत में सर्विसेज और इंडस्ट्री में वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद है। इसके तहत मजबूत निर्माण और रियल एस्टेट गतिविधि से सहायता मिलेगी, जबकि मुद्रास्फीति का दबाव कम होने की उम्मीद है, जिससे वित्तीय स्थितियों को आसान बनाने के लिए अधिक नीतिगत गुंजाइश बनेगी। हालांकि, रिपोर्ट में बताया गया है कि निकट अवधि में भारत की विकास गति सार्वजनिक क्षेत्र पर निर्भर है। इसके मुताबिक बढ़े हुए कर्ज, उधार लेने की लागत और राजकोषीय घाटे पर लगाम लगाने के प्रयास अंततः विकास पर असर डाल सकते हैं। इसके साथ ही वर्ल्ड बैंक ने रिपोर्ट में कहा कि एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर पिछले साल के 5.1 प्रतिशत की तुलना में धीमी पड़कर वर्ष 2024 में 4.5 प्रतिशत ही रहने का अनुमान है। एशियाई देशों की अर्थव्यवस्थाएं इस साल उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं जितना वे कर सकती थीं। रिपोर्ट कहती है कि कर्ज, व्यापार बाधाएं और नीतिगत अनिश्चितताएं इस क्षेत्र की आर्थिक गतिशीलता को कमजोर कर रही हैं और सरकारों को कमजोर सामाजिक सुरक्षा जाल और शिक्षा में कम निवेश जैसी दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि एशिया की अर्थव्यवस्थाएं महामारी-पूर्व की तुलना में अधिक धीमी गति से बढ़ रही हैं लेकिन यह रफ्तार भी दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक है।

हेल्थ-एनर्जी ड्रिंक के नाम पर फूड प्रॉडक्ट्स बेच रही हैं ई-कॉमर्स वेबसाइट्स !

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने किया आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सभी ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को चेतावनी दी है कि वे अपनी वेबसाइटों के जरिए हेल्थ ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का दुरुपयोग न करें। स्नस्ड्ढ ने कहा है कि वेबसाइटों के माध्यम से बेचे जा रहे खाद्य उत्पादों का उचित क्लासिफिकेशन तय किया जाए और बिक्री बढ़ाने के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया जाए, जो नियमों के तहत मान्य नहीं है। यह भी कहा गया है कि स्नस्-ऐक्ट 2006 के मुताबिक हेल्थ ड्रिंक शब्द को कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है। लेकिन देखने में आ रहा है कि ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर हेल्थ ड्रिंक और एनर्जी के नाम पर खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे है। प्रॉपराइटरी फूड के तहत लाइसेंस प्राप्त खाद्य उत्पादों को डेयरी-आधारित पेय मिश्रण या अनाज-आधारित पेय मिश्रण या माल्ट-आधारित पेय मिश्रण निकटतम श्रेणी के तहत ई-कॉमर्स वेबसाइट पर हेल्थ ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक आदि की श्रेणी में बेचा जा रहा है। FSSAI ने सभी ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटरों को सलाह दी है कि वे अपनी वेबसाइटों पर हेल्थ ड्रिंक्स/ एनर्जी ड्रिंक्स की कैटिगरी से ऐसे पेय पदार्थों को हटाकर या डी-लिंक करके इसे तुरंत सुधारें। ग्राहकों तक कोई भी भ्रामक जानकारी नहीं पहुंचनी चाहिए। स्नस्-ऐक्ट 2006 के प्रावधानों का हर हाल में पालन करना होगा। शब्द एनर्जी ड्रिंक को केवल फूड कैटिगरी सिस्टम 14.1.4.1 और 14.1.4.2 (कार्बोनेटेड और गैर- कार्बोनेटेड पानी आधारित स्वादयुक्त पेय) के तहत लाइसेंस प्राप्त उत्पादों पर उपयोग करने की अनुमति है।

क्या है प्रॉपराइटरी फूड

'प्रॉपराइटरी फूड' ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य योजक) विनियमन में मानकीकृत नहीं हैं। इसमें कहा गया है, 'इस सुधारात्मक कार्रवाई का उद्देश्य उत्पादों की प्रकृति और कार्यात्मक गुणों के बारे में स्पष्टता और पारदर्शिता बढ़ाना है ।

दुनिया की सारी दौलत फीकी है... नए अंदाज में दिखे अरबपति गौतम अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर अरबपति गौतम अडानी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर गंभीर मुद्दों पर बात करते या जानकारी देते नजर आते हैं। हालांकि, इस बार अपने सोशल मीडिया पर गौतम अडानी कारोबारी इमेज से इतर एक नए रूप में नजर आए हैं। दरअसल, अडानी ने अपनी 14 महीने की पोती कावेरी के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने एक प्यारा सा मैसेज भी लिखा है।

गौतम अडानी का क्या है पोस्ट

सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर किए गए पोस्ट में गौतम अडानी, पोती कावेरी को गोद में लिए मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है-इन आंखों की चमक के आगे दुनिया की सारी दौलत फीकी है। यह तस्वीर लंदन के साइंस म्यूजियम में न्यू अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी में ली गई थी। तस्वीर के बैकग्राउंड में गौतम अडानी की पत्नी और कावेरी के माता-पिता भी मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। बता दें कि कावेरी के पिता करण अडानी और मां परिधि हैं। करण, गौतम अडानी के बड़े बेटे हैं।

एक हफ्ते में मिली कई अच्छी खबर

बता दें कि बीते कुछ समय से अडानी समूह को लेकर कई अच्छी खबरें आई हैं। लंदन के साइंस म्यूजियम ने 26 मार्च को अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी की शुरुआत हुई है। वहीं, समूह ने एक सप्ताह के भीतर 1.2 अरब डॉलर का तांबा संयंत्र खोला, ओड़िशा में बंदरगाह खरीदा और सीमेंट कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई। इसके साथ ही प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ गठजोड़ भी किया है। बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च के समूह के खिलाफ रिपोर्ट आने के 14 महीने बाद गौतम अडानी समूह ने बड़े स्तर पर विस्तार की घोषणाएं की हैं। रिपोर्ट समूह पर खुलेआम शेयरों में हेराफेरी और बही-खाते में हेराफेरी का आरोप लगाया गया था। इससे समूह की कंपनियों के शेयरों में शेयर भारी गिरावट आई और बाजार मूल्यांकन में एक समय करीब 150 अरब डॉलर का नुकसान हो गया था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ऊंची उड़ान, ग्रोथ 16 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोडक्शन और नए ऑर्डर में मजबूत बढ़ोतरी के दम पर मार्च में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर क्षेत्र की बढ़ोतरी 16 साल के हाई लेवल पर पहुंच गई। इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजमेंट इंडेक्स मार्च में बढ़कर 59.1 पर पहुंच गया जो फरवरी में 56.9 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर इंडेक्स होने का मतलब प्रोडक्शन एक्टिविटीज में विस्तार है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दिखाता है। अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा कि भारत का मार्च मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 2008 के बाद से अपने हाई लेवल पर पहुंच गया। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में मजबूत उत्पादन और नए ऑर्डर से नियुक्तियां बढ़ीं। उत्पादन मार्च में लगातार 33वें महीने बढ़ा। अक्टूबर 2020 के बाद से यह सर्वाधिक बढ़ोतरी है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

क्यों आई तेजी

डोमेस्टिक और एक्सपोर्ट बाजारों से नए काम का इनफ्लो मजबूत हुआ। सर्वे के मुताबिक मई 2022 के बाद से नए एक्सपोर्ट ऑर्डर सबसे तेज गति से बढ़े हैं। कंपनियों ने बिक्री में अपेक्षित सुधार से पहले स्टॉक बनाने की मांग की थी। भारत में निर्माताओं ने मार्च में अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखा। सर्वे में कहा गया है कि रोजगार सृजन की गति हल्की थी, लेकिन सितंबर 2023 के बाद से सबसे अच्छी है। कीमतों में मामूली गिरावट रहने के बावजूद लागत दबाव पांच महीनों में अपने उच्चतम स्तर पर था।

ऑफिस में आपकी इमेज खराब कर देंगी ये आदतें

आप ऑफिस में अपना काम तो कम लगाकर करते हैं और आपका काम भी बहुत अच्छा है, लेकिन अगर आपने ये पांच गलतियां की तो सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। आपकी कुछ आदतें ऑफिस में आपको बदनाम कर सकती है, अब भले ही आपका काम अच्छा क्यों न हों। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी 5 आदतें हैं जिन्हें सुधारना जरूरी है:

- क्या आप उनमें से हैं जो ऑफिस का डेकोरम मेनटेन नहीं रखते। सबसे पहले आप अपने आने का समय चेक कीजिए। क्या आप रोजाना लेट पहुंचते हैं? आपकी यह लेटलतीफी आपकी इमेज को नुकसान पहुंचा सकती है।
- आपने यह बात नोटिस की है कि आप इधर की बातें उधर करते हैं। अगर हां, तो तुरंत ही गॉसिपिंग की आदत छोड़ दें। अगर आप एक सहकर्मी की बुराई दूसरे सहकर्मी के सामने करेंगे तो इससे नेगेटिव इमेज पेश होगी। वहीं ऑफिस का माहौल बिगाड़ने का दोष भी आपके सर पर होगा।
- आपने इस बात को शायद ही सोचा होगा लेकिन ऑफिस में भी आपकी साफ-सफाई की आदतें नोटिस की जाती है। अगर आप अपनी डेस्क अस्त-व्यस्त और साफ नहीं होगी तो दूसरे आपसे कतराएंगे।
- कहीं भी, कुछ भी कहने की आदत आपमें तो नहीं? आपकी बोली में कहीं रूखापन तो नहीं? अगर ऐसा है तो आपको अपने एटिट्यूड को बदलना होगा। आपको सीनियर हो या जूनियर सभी से ऑफिस में विनम्रता से बात करनी चाहिए।
- अगर आप ऑफिस के फोन या फिर अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात करते हैं या फिर आपके मोबाइल की रिंगटोन काफी तेज है तो यह आपके आस-पास बैठे सभी लोगों को डिस्ट्रैक्ट और इरिटेट कर सकता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ें या लें ऑनलाइन कोचिंग

जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं।

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक करना आसान नहीं होता। इसमें गंभीरता से तैयारी करने और पढ़ाई के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है। फिर चाहे वह बैंकिंग की परीक्षा हो, एसएससी सीजीएल परीक्षा हो या फिर आईएएस/ पीएससी परीक्षाएं हों। जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं। ऐसे में यह हर परीक्षार्थी पर निर्भर करता है कि वह अपने लिए कौन-सा रास्ता चुनता है। कोचिंग इंस्टीट्यूट और ऑनलाइन पढ़ाई दोनों के ही सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। आपको चाहिए कि आप इन दोनों पक्षों को तौलकर फैसला करें कि आपके लिए कौन-सा रास्ता मुफीद रहेगा। तो चलिए, इन दोनों ही रास्तों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर नजर दौड़ाते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स

परंपरागत तौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स अग्रणी रहे हैं। यहां तक कि कोचिंग उद्योग अपने आप में एक बेहद सफल और कमाऊ उद्योग बन गया है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक में कोचिंग संस्थानों की बहार है। जहां कई विद्यार्थी इन संस्थानों की कोचिंग का लाभ लेकर विभिन्न परीक्षाओं में टॉप करते आए हैं, वहीं ऐसे भी विद्यार्थी हैं, जिन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर भारी खर्च किया मगर नतीजा सिफर ही रहा।

मार्गदर्शन

किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट में जाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि वहां आपको शिक्षकों का मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलती है। इन संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों के पास प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी व्यापक अनुभव और ज्ञान होता है। इसलिए वे विद्यार्थियों के हुनर को मांजकर और उनकी कमजोरियों को ताकत में बदलकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सही राह दिखाने में सक्षम होते हैं।

स्टडी मटेरियल

कोचिंग क्लासेज में पैकेज के तहत जो स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है, वह विशेषज्ञों द्वारा एग्जाम पैटर्न और संपूर्ण सिलेबस के गहराई से अध्ययन के बाद तैयार किया जाता है। इसलिए इस मटेरियल में परीक्षा में महत्व के अनुसार टॉपिक्स कवर किए जाने की अधिक संभावना रहती है।

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन

जो उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी नए हैं, उनके लिए समय प्रबंधन करना और पढ़ाई के मामले में अनुशासन का पालन करना जरा कठिन होता है। फिर यह भी है कि कई युवा अपनी अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ या फिर जॉब के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा यदि कोचिंग इंस्टीट्यूट जॉइन करते हैं, तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि वे अपनी तैयारी के लिए एक निश्चित समय और प्रयास हर हाल में देते ही हैं।

ऑनलाइन तैयारी के फायदे

ऑनलाइन पढ़ाई का सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि यह उम्मीदवारों में सेल्फ स्टडी को बढ़ावा देती है। कई जानकार मानते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेल्फ स्टडी ही श्रेष्ठ होती है। इससे परीक्षार्थी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार तैयारी की रणनीति बनाता है। साथ ही एक फायदा यह है कि इससे हर परीक्षार्थी अपनी ताकत और कमजोरी को अच्छी तरह पहचान पाता है।

जहां तक स्टडी मटेरियल का सवाल है, ऑनलाइन जगत में इसकी कोई कमी नहीं है। यहां आपको कोचिंग इंस्टीट्यूट्स तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया बेहतरीन स्टडी मटेरियल मिल जाएगा। यही नहीं, यह मटेरियल अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होता है, जिससे परीक्षार्थी के पास अपनी जरूरत के मुताबिक चुनने के लिए विकल्प रहते हैं।

ऑनलाइन तैयारी का एक और फायदा होता है इसका किफायती होना। कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के मुकाबले ऑनलाइन शिक्षा संसाधन कहीं कम दामों पर उपलब्ध होते हैं। कुछ संसाधन तो निशुल्क उपलब्ध होते हैं। यही नहीं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपके पास यह विकल्प भी होता है कि आप चाहें, तो केवल उतना ही स्टडी मटेरियल, क्वेश्चन पेपर, ऑनलाइन वीडियो आदि खरीदें, जितने की आपको जरूरत है। इस प्रकार भी आपके पैसे की बचत हो सकती है।

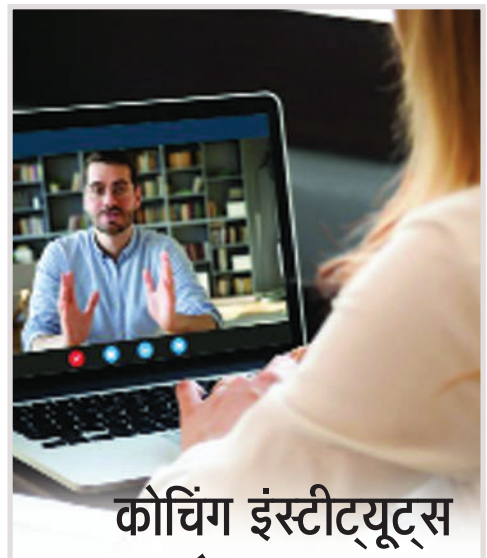

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नुकसान

कमतर शिक्षण स्तर

कोचिंग इंसटीट्यूट्स की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि इनमें से कई में शिक्षण का स्तर कमतर होता है। कई कोचिंग संस्थान ऐसे लोगों को अपने यहां पढ़ाने के लिए रख लेते हैं, जो स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाए। ऐसे लोगों के पास भले ही प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी जानकारी और अनुभव हो पर यह कतई जरूरी नहीं कि वे अच्छे शिक्षक भी होंगे। सही टीचिंग तकनीक भी जरूरी होती है।

स्टडी मटेरियल की गुणवत्ता

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का स्टडी मटेरियल परीक्षा के पैटर्न के लिहाज से प्रभावी तो होता है मगर अक्सर कोचिंग संस्थान जो मटेरियल प्रदान करते हैं, वह कालातीत (आउटडेटेड) और परंपरावादी होता है। इधर प्रतियोगी परीक्षाएं साल-दर-साल अधिक कठिन होती जा रही हैं और इनके पैटर्न में बार-बार परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में पुराने ट्रेंड के अनुसार तैयार किया गया स्टडी मटेरियल परीक्षार्थियों के किसी काम का नहीं रहता।

व्यक्तिगत ध्यान नहीं

कोचिंग संस्थान तगड़ी फीस तो लेते हैं मगर वे क्लासरूम फॉर्मेट में ही काम करते हैं। एक क्लास में जितने अधक विद्यार्थी हों, संस्थान का उतना ही लाभ होता है। ऐसे में कई संस्थान एक-एक क्लास में ढेरों विद्यार्थियों को टूंस देते हैं। इस कारण विद्यार्थियों की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना संभव नहीं रहता।

ऑनलाइन तैयारी

ऑनलाइन एजुकेशन कोचिंग की परंपरा के मुकाबले काफी नया है। आज लिखित स्टडी मटेरियल और ऑडियो-वीडियो संसाधन दोनों ही के रूप में विभिन्ना परीक्षाओं की तैयारी के लिए भरपूर सहायता ऑनलाइन उपलब्ध है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करना पसंद करते हैं।

ऑनलाइन तैयारी के नुकसान

सीमित पहुंच

ऑनलाइन तैयारी की सबसे बड़ी खामी है इसकी सीमित पहुंच। काफी विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज हिस्सों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहां है, वहां भी अक्सर नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में दूर- दराज के छोटे शहरों व गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए तो यह पढ़ाई का विश्वसनीय स्रोत नहीं हो सकता।

मेंटरशिप का अभाव

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपको बेहतरीन स्टडी मटेरियल तो मिल सकता है लेकिन यहां मेंटरशिप की कमी बहुत खलती है। किसी ट्यूटर की ओर से व्यक्तिगत ध्यान न मिल पाने के कारण उम्मीदवार अक्सर किसी क्लिष्ट कॉन्सेप्ट को लेकर भ्रमित नजर आते हैं। अपने डाउट क्लियर करने के लिए उनके पास कोई नहीं होता। ऑनलाइन तैयारी में आपको अनुभवी ट्यूटर्स के अनुभव का लाभ नहीं मिल पाता।

जानकारी की बाढ़

इंटरनेट पर दुनिया भर का ज्ञान उपलब्ध है मगर कभी-कभी इसकी यही खासियत इसकी खामी बन जाती है। जब आप यहां कोई खास जानकारी तलाशते हैं, तो आपके पास जरूरी के साथ-साथ बहुत-सी गैर-जरूरी जानकारी की बाढ़ आ जाती है। जानकारी की यह अति परीक्षा की तैयारी में बाधा ही डालती है, जबकि आपको फोकस्ड पढ़ाई करने की जरूरत होती है।

करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाख तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

21 साल की उम्र में ही मयंक ने रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने आरसीबी को 28 रनों से हरा दिया। इस मैच में आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। लखनऊ की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी की टीम को 182 रनों का टारगेट दिया, जिसके जवाब में आरसीबी की टीम सिर्फ 153 रन ही बना पाई। इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मयंक यादव ने कमाल की गेंदबाजी की और वह टीम के लिए हीरो साबित हुए। मैच के बाद उन्होंने फास्ट बॉलिंग करने के कई अहम कारण बताए हैं। मैच के बाद मयंक यादव ने कहा कि वास्तव में अच्छा लग रहा है, दो मैचों में दो प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार। मुझे इस बात की ज्यादा खुशी है कि हमने दोनों मैच जीते। मेरा लक्ष्य देश के लिए खेलना है। मुझे लगता है कि ये तो बस शुरुआत है। मैंने कैमरुन ग्रीन के विकेट का सबसे अधिक आनंद लिया। तेज गेंदबाजी करने के कई कारण हैं। आहार, नींद, ट्रेनिंग। मैं अपने आहार और रिकवरी पर बहुत फोकस कर रहा हूं।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने जीता मैच

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ के लिए क्विंटन डि कॉक ने 81 रन और निकोलस पूरन ने 40 रन बनाए। इन प्लेयर्स की वजह से ही लखनऊ की टीम 181 रन बना पाई। इसके बाद मयंक यादव ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए अपने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। मयंक यादव आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं। उनसे पहले ऐसा कोई भी नहीं कर पाया था। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया था और प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता अपने नाम किया। इसके बाद आरसीबी के खिलाफ भी उन्होंने ये अवॉर्ड जीत लिया है।

अंबाती रायुडू ने बताया 16 साल से क्यों खिताब नहीं जीती आरसीबी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम चार मैच खेल चुकी है जिसमें से वह केवल एक ही मुकाबला जीती है। आरसीबी अपने घर पर दो मुकाबले हारी है।

टीम के प्रदर्शन के बाद उसके फैंस को डर सताने लगा है कि कहीं इस बार भी आरसीबी खिताब से चूक न जाए। आरसीबी बीते 16 सालों में कभी भी खिताब नहीं जीत पाई है। दिग्गज खिलाड़ी अंबाती रायुडू ने बताया कि आखिर क्या वजह है कि सितारों से सजी आरसीबी खिताब क्यों नहीं जीत पाती। दबाव की स्थिति में नजर नहीं आता कोई सीनियर

रायुडू ने बताया कि आरसीबी में बड़े नाम दबाव के समय युवाओं को आगे कर देते हैं। वह खुद ऊपर बल्लेबाजी करते हैं और युवाओं को मिडिल ऑर्डर में भेजते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि गेंदबाजी हमेशा पार स्कोर से ज्यादा रन देती है और उनकी बल्लेबाजी दबाव में परफॉर्म करती है। जब भी आरसीबी दबाव में होती है कोई बड़ा नाम खेलता हुआ नजर नहीं आता। ऐसी टीमें कभी नहीं जीत पाती। इसी कारण उन्होंने बीते इतने सालों से खिताब नहीं जीता है।'

16 साल से नहीं बदली कहानी

उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, 'जितने भी युवा खिलाड़ी हैं वह निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं और जो भी बड़े नाम हैं वह ऊपर खेलते हैं। अनुभवी खिलाड़ी केक की क्रीम खाकर निकल जाते हैं। आप देखिए दबाव में कौन खेल रहा होता है। भारत के युवा खिलाड़ी और दिनेश कार्तिक। आपके बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को दबाव लेना चाहिए, लेकिन वह कहां होते हैं? वह ड्रेसिंग रूम में होते हैं। यह आज नहीं हो रहा है। पिछले 16 साल से टीम की यही कहानी है।'

आरसीबी की सीजन की शुरुआत हार के साथ हुई थी। पहले मुकाबले में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स का सामना किया और छह विकेट से मैच हारी।

वहीं इसके बाद उन्होंने अपने घर पर पंजाब किंग्स का सामना किया और चार विकेट से मैच हार गई। इसके बाद आरसीबी को केकेआर ने सात विकेट से मात दी वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ भी उसे 28 रन से मात मिली।

डि कॉक के आईपीएल में 3000 रन पूरे

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में लखनऊ के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डि कॉक ने अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसी पारी के दौरान उन्होंने आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए।

31 साल के डि कॉक ने 2013 में सनराइडर्स हैदराबाद के लिए लीग में डेब्यू किया था। वह दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रह चुके हैं। डिकॉक आईपीएल में सबसे तेज 3000 रन पूरा करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। हम आज आपको टॉप-5 की लिस्ट बताते हैं।

क्रिस गेल- 75 पारी

वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के आईपीएल में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सिर्फ 75 पारियों में यह कारनामा किया था। गेल ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए डेब्यू किया था। फिर वह आरसीबी और पंजाब किंग्स के लिए भी खेले।

केएल राहुल- 80 पारी

केएल राहुल लीग में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने करियर की शुरुआत की थी। वहां प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। लेकिन आरसीबी में आने के बाद से वह अलग बल्लेबाज बनकर सामने आए। वह लीग में ऑरेंज कैप भी जीत चुके हैं।

जोस बटलर- 85 पारी

जोस बलटर ने आईपीएल से भी ओपनिंग शुरू की थी। तब से इस फॉर्मेट के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज बनकर सामने आए हैं। पहले मुंबई इंडियंस और फिर राजस्थान रॉयल्स के लिए उन्होंने कमाल का क्रिकेट खेला। बटलर ने 85 पारियों में 3000 आईपीएल रन पूरे किए थे।

डेविड वॉर्नर- 94 पारी

डेविड वॉर्नर आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेश बल्लेबाज हैं। वॉर्नर अपनी कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल का खिताब जीता चुके वॉर्नर ने 94 पारी में अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किए थे। वॉर्नर अभी दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं।

फाफ डु प्लेसिस-94 पारी

फाफ डु प्लेसिस ने भी 94 पारियों में ही 3000 रन पूरे किए थे। अभी आरसीबी की कप्तानी कर रहे फाफ ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू किया था। वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेल चुके हैं। अभी तक 126 आईपीएल पारी में वह 4179 रन बना चुके हैं।

एशियाई एथलेटिक्स के पदक विजेता मुरली गावित डोप में फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। गोआ में 5000 मीटर में रजत जीतने वाले गावित और कांस्य जीतने वाले अजय कुमार दोनों पॉजिटिव पाए गए हैं। गावित लंबे समय तक भारतीय एथलेटिक्स दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2019 की दोहा एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत जीता था। बीते वर्ष ही उन्होंने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में भी इसी इवेंट का स्वर्ण जीता था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरने वाले लंबी दूरी के एथलीट मुरली गावित डोप में फंस गए हैं। एशियाई चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत पदक जीतने वाले मुरली बीते वर्ष गोआ में हुए राष्ट्रीय खेल केदौरान डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से लिए गए उनके सैंपल में एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाया गया है। मुरली ने गोआ राष्ट्रीय खेल में रजत पदक जीता था, जो भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने उनसे छीन लिया है।

राष्ट्रीय ओपन में भी स्वर्ण जीते थे गावित

गोआ में 5000 मीटर में रजत जीतने वाले गावित और कांस्य जीतने वाले अजय कुमार दोनों पॉजिटिव पाए गए हैं। गावित लंबे समय तक भारतीय एथलेटिक्स दल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2019 की दोहा एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत जीता था। बीते वर्ष ही उन्होंने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में भी इसी इवेंट का स्वर्ण जीता था। ईपीओ का प्रयोग मध्यम और लंबी दूरी के एथलीट रेस से ठीक पहले करते हैं। इससे खून में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ जाता जो उन्हें रेस के दौरान मदद करता है। भारतीय एथलेटिक्स में ईपीओ के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

एशियाड पदक विजेता भास्कर भी डोप पॉजिटिव

1998 के बैंकॉक एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता और विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के उपविजेता भास्कर बालचंद्र भी गोआ राष्ट्रीय खेल के दौरान डोप में फंसे हैं। उनके सैंपल में बीटा ब्लॉकर पाया गया है। क्यू स्पोर्ट्स में डोप में फंसने का यह देश में पहला मामला है। गोआ राष्ट्रीय खेल में सर्वाधिक 10 डोप पॉजिटिस मामले एथलेटिक्स और उसके बाद सात वेटलिफ्टिंग में पाए गए।

इरफान के नेतृत्व में भारतीय सब जूनियर टेनिस टीम ने आई.टी.एफ. एशिया ओशेनिया, मलेशिया में रजत पदक जीता

सरावक लॉन टेनिस संघ, कूचिंग, मलेशिया के द्वारा 25 मार्च से 30 मार्च 2024 तक कूचिंग में आयोजित की गई आई.टी.एफ. एशिया ओशेनिया फाइनल-क्वालिफाईंग सब जूनियर टेनिस टीम कॉम्पीटीशन में इंदौर टेनिस क्लब के मुख्य प्रशिक्षक इरफान अहमद के नेतृत्व में भारतीय सब जूनियर टेनिस टीम ने क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 पराजित किया। सेमीफाइनल में कोरिया को 2-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था जहां फाइनल मुकाबला जापान से 0-2 से हारकर रजत पदक प्राप्त किया। रजत पदक जीत कर प्राग, चेक रिपब्लिक वर्ल्ड ग्रुप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस टूर्नामेंट में एशिया ओशेनिया के 16 देशों की टेनिस टीमों ने भाग लिया था। इरफान इससे पहले भी भारतीय टेनिस टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। भारतीय सब जूनियर टेनिस टीम की इस उपलब्धि पर भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर एवं मध्य प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष अनिल महाजन के साथ ही समस्त पदाधिकारियों ने बधाईयां दी।

रणदीप हुड्डा ने कंगना रनौत को छोड़ आलिया भट्ट का किया सपोर्ट

रणदीप हुड्डा और आलिया भट्ट साथ में फिल्म हाइवे में काम कर चुके हैं। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। बता दें कि कंगना ने आलिया को एक आम एक्टर कहा था। रणदीप ने इस पर आलिया को सपोर्ट किया था। अब रणदीप ने एक बार फिर आलिया के साथ अपने बॉन्ड पर बात की है। रणदीप का कहना है कि उन्हें बेवजह टारगेट किया जाता था। सिद्धार्थ कनन से बात करते हुए रणदीप ने कहा, हाइवे के दौरान काम करते हुए मेरा आलिया के साथ स्प्रिचुअल बॉन्ड बन गया था। मुझे नहीं पता उनकी तरफ से कैसा था। यह उन पर है। मैं सिर्फ अपने लिए बोल सकता हूं। मैंने उन्हें हमेशा नई चीजें करता देखा है। मैं उनके लिए असल में खड़ा रहा क्योंकि उन्हें बेवजह टारगेट कर दिया जाता है।

एक्ट्रेस हुमा ने दिखाया अपना कातिलाना अंदाज

शो मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे में नजर आने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर हुमा के 8.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। फोटोज में उन्हें गहरी नेकलाइन वाली काली ब्रालेट, मैचिंग लेदर पैंट और नीली डेनिम जैकेट पहने देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने इस ड्रेस के साथ सुनहरे झुमके, पारदर्शी धूप का चश्मा और चेरी ब्राउन रंग के जूते पहने हुए हैं। मेकअप के लिए हुमा ने पिंक लिप्स और ग्लॉसी मेकअप को चुना। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा। पोस्ट को शीर्षक दिया गया, गैंगस्टर मोड ऑन। उन्होंने अपनी पोस्ट में डार्क बॉय के गैंगस्टा ट्रैक की धुन दी। हुमा को पिछली बार सीरीज महारानी के तीसरे सीजन में रानी भारती के रूप में देखा गया था। इसमें अमित सियाल, विनीत कुमार, प्रमोद पाठक, कानी कुसरुति, अनुजा साठे, सुशील पांडे, दिब्येंदु भट्टाचार्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एक्ट्रेस अगली फिल्म पूजा मेरी जान में नजर आएंगी।

मेगन फॉक्स ने बताया

कितनी बार करवाई प्लास्टिक सर्जरी

अमेरिकन एक्ट्रेस मेगन फॉक्स ने अब बताया है कि उन्होंने कौन-कौन सी सर्जरी करवाई हैं। मेगन फॉक्स ने बताया कि उन्होंने ब्रेस्ट की कब-कब सर्जरी करवाई और क्या वजह रही। मेगन फॉक्स ने उन प्लास्टिक सर्जरी का भी जिक्र किया, जो उन्होंने कभी भी नहीं करवाई। हॉलीवुड स्टार मेगन फॉक्स को लेकर अकसर ही ऐसी चर्चाएं होती रही हैं कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। एक्ट्रेस की तस्वीरों पर भी अकसर यूजर्स सर्जरी को लेकर सवाल करते नजर आते। हीरोइनें खूबसूरत और ग्लैमरस दिखने के लिए अकसर ही सर्जरी का सहारा लेती हैं और मेगन फॉक्स की तस्वीरों को देखकर कई बार यह चर्चा होती रही है। साल 2022 में जब मेगन फॉक्स ने बेयॉन्से के बर्थडे पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की थीं, तो उस वक्त भी एक्ट्रेस की प्लास्टिक सर्जरी की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। लेकिन अब मेगन फॉक्स ने इस पर खुलकर बात की है। 37 वर्षीय एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन्होंने कौन-कौन सी और कितनी प्लास्टिक सर्जरी करवाई हैं। एलेक्स कूपर को पॉडकास्ट शो कॉल हर डैडी में अपनी प्लास्टिक सर्जरी के बारे में बताया। उन्होंने न सिर्फ वो प्रोसिजर बताए, जो करवाए हैं, बल्कि उनके बारे में भी डिटेल दी, जो कभी नहीं करवाए। साथ ही मेगन फॉक्स ने कहा कि वह सबकुछ ईमानदारी से बता भी देंगी, तो भी लोग उन्हें ट्रोल करेंगे।

मनीषा रानी बनीं करोड़पति!

मनीषा रानी दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रही हैं। झलक दिखला जा 11 का विनर बनने के बाद उन्होंने अपने होमटाउन बिहार में नई प्रॉपर्टी खरीदी है। उन्होंने अपने व्लॉग में इसकी झलक फैंस के साथ शेयर की है। ये भी बताया कि अब इस पर उनका घर बनेगा। बिहार की मनीषा रानी जब रिएलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में आई थीं, तब अपनी पहचान बनाने के लिए स्ट्रगल कर रही थीं। अपने चुलबुलेपन से उन्होंने दर्शकों का दिल जीता और घर-घर में उनका नाम हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बेटा-बेटी को जहर दिया, मां ने भी कर लिया सुसाइड; रेवाड़ी में तीन लोगों की आत्महत्या से हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के रेवाड़ी में एक साथ तीन लोगों की मौत से दहशत फैल गई। राव तुलाराम विहार कॉलोनी में सोमवार को एक मां ने अपने बेटे और बेटी के साथ जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। लोगों को जब इसका पता चला तो कॉलोनी में उनके घर के बाहर भीड़ लग गई। सूचना पर कुछ देर बाद पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में खुदकुशी का कारण अवसाद में आना लग रहा है। मामले में जांच की जा रही है। पड़ोसियों के मुताबिक तीन माह पहले ही बच्चों के पिता ने भी फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तब से ही महिला काफी तनाव में थी। जानकारी के अनुसार 38 वर्षीय अनिल कुमारी ने अपने 12 वर्षीय बेटे ऋषभ, 18 वर्षीय बेटी स्वीटी व सास कृष्णा देवी के साथ नगर के राव गोपाल देव चौक स्थित तुलाराम विहार कॉलोनी में रहती थी। मर्चेंट नेवी से सेवानिवृत्त अनिल कुमारी के पति अमित कुमार ने 6 जनवरी 2024 को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। वह सेवानिवृत्ति के बाद गुरुग्राम में नौकरी कर रहे थे। बीती देर शाम को अनिल कुमारी की सास कृष्णा देवी किसी कार्य से घर से बाहर गई थी। जब वह लौटी तो मां और बेटा-बेटी की हालत खराब थी। पोती स्वीटी ने कहा कि दादी हमने जहर खा लिया। वह पड़ोसियों की मदद से तीनों को निजी अस्पताल में ले गईं। जहां मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया। पीजीआईएमएस रोहतक ले जाते समय रास्ते में ऋषभ की भी मौत हो गई। सोमवार देर शाम को अनिल कुमारी की सास कृष्णा देवी किसी कार्य से घर से बाहर गई थी। जब वह लौटी तो मां व बेटा-बेटी की हालत खराब थी और तीनों उल्टियां कर रहे थे। पोती स्वीटी ने कहा कि दादी हमने जहर खा लिया। यह सुनते ही कृष्णा देवी सहम गई। उन्होंने शोर मचाकर पड़ोसियों को एकत्रित किया और तीनों को आनन-फानन में निजी अस्पताल में ले गए। जहां मां-बेटी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बेटे ऋषभ को गंभीर हालत में पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया गया। जहां रास्ते में उसकी भी मौत हो गई।

दिल्ली जल बोर्ड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, कुर्क की 8.80 करोड़ की संपत्तियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली जल बोर्ड में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली जल बोर्ड (छ्वद्दद्यद्बद्ध छ्वड्डद्य क्चशड्डह्म्स्र, छ्वछ्वक्क) के पूर्व मुख्य इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा (छ्वड्डद्दस्त्रद्बह्यद्ध ष्टद्धड्डह्वस्रद्ध ह्म्4ह्ल), उनकी पत्नी अलका अरोड़ा समेत अन्य की 8.80 करोड़ रुपये की कुल अचल और चल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। कुर्क की गई संपत्तियों में इंटीग्रल स्क्रू इंडस्ट्रीज (उप-ठेकेदार) और एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीजेबी के ठेकेदार) के मालिक अनिल कुमार अग्रवाल की भी प्रापर्टी हैं। ईडी ने कहा कि संपत्तियां जगदीश कुमार अरोड़ा एवं अन्य के मामले में पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत अटैच की गई हैं। अटैच अचल संपत्तियां दिल्ली में हैं। ईडी ने इस मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज पहली एफआईआर के आधार पर जांच शुरू है। इसमें दिल्ली में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप लगाए गए हैं। एफआईआर में आरोप लगाया गया कि जगदीश कुमार अरोड़ा ने दिल्ली जल बोर्ड के फ्लो मीटर का ठेका एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को 38 करोड़ रुपये की बढ़ी कीमत पर दिया। आरोप है कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती थी। ईडी की छानबीन में पता चला है कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने नकली और झूठे दस्तावेज जमा करके बोली हासिल की। ईडी का कहना है कि अरोड़ा को इन तथ्यों की जानकारी थी कि कंपनी निविदा को मंजूरी देने के लिए तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती है। फिर भी उसे ठेका दे दिया गया। एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अनिल कुमार अग्रवाल की स्वामित्व वाली कंपनी इंटीग्रल स्क्रूज लिमिटेड को उप-ठेका दे दिया। ईडी का दावा है कि दिल्ली जल बोर्ड की ओर से भुगतान किए गए 24 करोड़ रुपये में से केवल 14 करोड़ रुपये ठेके के काम पर खर्च किए गए जबकि बाकी रकम रिश्वत देने के लिए इस्तेमाल की गई।

नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी का वीडियो वायरल, डंडे से युवक को पीटा

पुलिसवाले ने भी नहीं बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। नूंह हिंसा के आरोपी राजकुमार पांचाल उर्फ बिट्टू बजरंगी के मंगलवार शाम को युवक से मारपीट के दो वीडियो वायरल हो गए। पहली वीडियो में बिट्टू बजरंगी अपनी गली में एक युवक को उल्टा लटकाकर लाठी से पीट रहा है। वहीं, दूसरी वीडियो में उसी युवक को लाठी से एक महिला भी पीट रही है। पुलिस वीडियो को संज्ञान में लेकर जांच में जुटी है। पुलिस पीड़ित की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि बिट्टू बजरंगी ने सोमवार को युवक के साथ अपनी गली में घर के पास पिटाई की। इसके बाद उसकी वीडियो बनाकर अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर लगाया। किसी ने इसे डाउनलोड कर वायरल कर दिया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस अधिकारियों का कहना कहना है कि वीडियो की जांच की जा रही है। इसके बाद बिट्टू बजरंगी ने वीडियो को अपने व्हाट्सऐप स्टेटस से हटा दिया। मामले में डीसीपी कुलदीप सिंह का कहना है कि कहना है कि बिट्टू बजरंगी और महिला ने किस युवक से मारपीट की इसका पता नहीं चल रहा, वीडियो की जांच की जा रही है। अगर पीड़ित युवक केस दर्ज करवाएगा तो कार्रवाई की जाएगी। वीडियो देखकर लोगों में चर्चा है कि बिट्टू बजरंगी ने आमजनों में खौफ पैदा करने के लिए युवक के साथ मारपीट की है। वायरल वीडियों में दिख रहा है कि एक पुलिसकर्मी पीड़ित युवक से कुछ ही कदम की दूरी पर खड़ा है लेकिन वह उसे बचाने की बजाए चुपचाप पूरा तमाशा देख रहा है।

जमानत मिले तो कोई भी शर्त मानने को तैयार, सिसोदिया की बेल पर 6 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े धनशोधन मामले में मंगलवार को आप सांसद संजय सिंह को छह माह बाद जमानत दे दी। इसी मामले में पिछले साल से जेल में बंद मनीष सिसोदिया को मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। इस दौरान उनकी जमानत पर सुनवाई हुई। अदालत ने ईडी को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। माना जा रहा है कि सिंह की तरह उन्हें भी अदालत से राहत मिल सकती है। सिसोदिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने स्पेशल जज कावेरी बावेजा से कहा कि सिसोदिया जमानत के लिए पात्र हैं, क्योंकि सरकारी खजाने को नुकसान हुआ हो ऐसा कोई मामला नहीं है। वकील ने दावा किया कि कोई भी जांच एजेंसी यह साबित नहीं कर पाई है कि उनके हाथ कोई पैसा पहुंचा है। वह 13 महीने से जेल में हैं और कभी भी अदालत द्वारा दी गई स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया। आप नेता ने कहा कि वह जमानत के लिए कोई भी शर्त मानने को तैयार हैं। ईडी की चार्जशीट में सिसोदिया को मामले में प्रमुख साजिशकर्ता नामित किया गया था। पूर्व डिप्टी सीएम पर दिल्ली की नई आबकारी नीति को तैयार करने में अतिरिक्त हस्तक्षेप करने, विशेष शराब संस्थाओं के लाभ के लिए इसमें बदलाव करने और राज्य के खजाने को कई सौ करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। अधिवक्ता माथुर ने तर्क दिया कि सिसोदिया जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट के लिए पास हैं, जिसमें कहा गया है कि जमानत तभी दी जा सकती है जब यह स्थापित हो जाए कि आरोपी के भागने का खतरा नहीं है, वह गवाहों को प्रभावित नहीं कर रहा है और सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, सिसोदिया अब प्रभावशाली नहीं हैं, क्योंकि वह अब डिप्टी सीएम नहीं हैं। मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही दिल्ली की एक अदालत से कहा कि उन्हें और जेल में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने स्पेशल जज एम.के. नागपाल को बताया कि कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धन शोधन मामले में उनके खिलाफ जांच पहले ही पूरी हो चुकी है और उनके द्वारा जांच में बाधा डालने या सबूत नष्ट करने की कोई आशंका नहीं है।

बच्चा भी पिता की हैसियत के बराबर जीवन-यापन का हकदार, गुजारा भत्ता न दिया तो होगा गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने आर्थिक रूप से संपन्न एक परिवार से ताल्लुक रखने वाले 10 साल के बच्चे को अपनी गुजर-बसर के लिए अदालत का सहारा लेने पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि बच्चा उसी हैसियत से जीवन-यापन का हकदार है, जिस रुतबे से पिता रहता है। पिता जो प्रतिमाह चार लाख रुपये कमाता है। उसे अपने बेटे की परवरिश के लिए महज 40 हजार रुपये महीना देने में आपत्ति है। याचिका को चुनौती देने वाले पिता को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि खुद शानो-शौकत का जीवन जी रहे हो और नाबालिग की शिक्षा एवं अन्य खर्च उठाने में दिक्कत हो रही है। बेंच ने कहा कि यह बड़ी विड़बना है कि बच्चा एक ऐसे परिवार में जन्मा है, जहां माता-पिता दोनों ही आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति में हैं, लेकिन उन्हें आपसी विवाद से ही फुरसत नहीं है। दोनों चल-अचल संपति को लेकर झगड़ रहे हैं। बेटे को देने के लिए पिता के पास पैसा नहीं है। कोर्ट ने कहा कि उसके बालिग होने तक उसकी परवरिश की तमाम जिम्मेदारी पिता पर बनती है। बेंच ने यह भी कहा कि वर्ष 2021-22 के आयकर रिटर्न के अनुसार, पिता की वर्तमान सालाना आमदनी 51 लाख 55 हजार 376 रुपये हैं, जोकि पिछले दो वर्षों में बढ़ी भी है। फिर भी पिता अपने इकलौते बेटे को खर्च के रूप में महज 40 हजार रुपये देने में आनाकानी कर रहा है। बेंच ने पिता के इस व्यवहार को ना केवल अमानवीय बताया बल्कि कानूनी तौर पर भी असंगत है। गुजाराभत्ता नहीं दिया तो गिरफ्तारी होगी दिल्ली हाईकोर्ट उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें फैमिली ने पिता के

खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए थे। हाईकोर्ट ने पिता को आदेश दिया कि वह दो सप्ताह के भीतर अपने दस साल के बेटे को अब तक 40 हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से बकाया रकम का भुगतान करे, अन्यथा उसके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को अमल में लाया जाएगा। अदालत में गुजाराभत्ते के लिए याचिका दायर करने वाला राहुल (बदला हुआ नाम) महज नौ महीने की उम्र से मां के साथ रह रहा है। बच्चे के माता-पिता का विवाह वर्ष 2006 में हुआ था। जून 2014 में बच्चे का जन्म हुआ था। मार्च 2015 में विवाद होने के बाद मां उसे लेकर अलग रहने लगी थी।

आप का नया चेहरा बन उभर रहीं सुनीता केजरीवाल, दिल्ली की राजनीति में करेंगी बड़ा कमाल?

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद राजनीति में सक्रिय हुईं उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को आम आदमी पार्टी का अगला चेहरा माना जाने के संकेत मिलने लगे हैं। राजनीति के सार्वजनिक मंचों से हमेशा दूरी बनाने वाली सुनीता केजरीवाल बीते कुछ समय से पार्टी की गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। मंगलवार को विधायकों के साथ हुई बैठक के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में वह पार्टी के अंदर होने वाले राजनीतिक फैसलों में अहम भूमिका निभाएंगी। एक कारण यह भी है कि जेल में बंद अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी के बीच सूचनाओं के आदान प्रदान की वह मुख्य कड़ी हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) का गठन हुए एक दशक से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन सुनीता केजरीवाल कभी भी राजनीतिक मंच पर सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आई थीं। बड़ी जीत हासिल करने के बाद वह अरविंद केजरीवाल के साथ नहीं दिखी, परंतु 21 मार्च की गिरफ्तारी के बाद दो बार पत्रकारवार्ता करना, आम आदमी पार्टी के एक अभियान को लॉन्च करना और फिर इंडिया गठबंधन में आप की तरफ से कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के साथ राजनीतिक मंच शेयर करना यह बताता है कि वह सक्रिय तौर पर पार्टी गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। धीरे-धीरे वह पार्टी का अहम चेहरा बनकर उभर रही हैं।

मंगलवार को भी उन्होंने अरविंद केजरीवाल का संदेश आप विधायकों, मंत्रियों तक पहुंचाया है कि वह जेल जाने से चिंतित नहीं हैं। उनके इरादे मजबूत हुए हैं। इससे साफ है कि अरविंद केजरीवाल अगर इस्तीफा नहीं देते हैं तो वह आम आदमी पार्टी व दिल्ली सरकार दोनों सुनीता केजरीवाल के जरिए चलाते रहेंगे, क्योंकि जेल रहने के दौरान उन्हें पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत का मौका मिलता है, जिससे अब सुनीता केजरीवाल आम आदमी पार्टी में अहम भूमिका में नजर आएंगी।

बैठक में विधायक भले ही अपने संदेश पहुंचाने की बात कह रहे हैं, मगर सूत्रों की मानें तो यह बैठक सुनीता केजरीवाल की तरफ से बुलाई गई थी, जिसमें आप विधायकों के साथ भविष्य में पार्टी की रणनीति पर चर्चा के साथ अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर भी बात करनी थी। अब विधायकों ने खुला समर्थन का ऐलान किया है तो वह यह बात अरविंद केजरीवाल तक पहुंचाएंगी। आप के सूत्रों की मानें तो सुनीता केजरीवाल लोकसभा चुनाव, उसके आगे रणनीति को लेकर भी पार्टी नेताओं से अपडेट ले रही हैं। पति के साथ मुलाकात के दौरान उन सूचनाओं को वहां तक पहुंचा भी रही हैं।

आलोचनाओं से बेपरवाह नवाज शरीफ, एक और सरकारी बैठक की अध्यक्षता की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने हाल ही में अपनी बेटी और पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के साथ एक और प्रशासनिक बैठक की अध्यक्षता की। इसको लेकर उनकी खूब आलोचना हो रही है, क्योंकि वह प्रांतीय सरकार में किसी संवैधानिक पद पर नहीं है। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के सुप्रीमो शरीफ ने पंजाब प्रांत में एक बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान प्रांत के कृषि क्षेत्र के सामने आने वाले मुद्दों की समीक्षा की गई। प्रशासनिक बैठकों की अध्यक्षता को लेकर नवाज शरीफ पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि वह प्रांतीय या संघीय सरकार में किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं। वह केवल नेशनल असेंबली के सदस्य हैं।

आम चुनाव में पार्टी को पूर्ण बहुमत न मिलने के बाद शरीफ ने सरकार से दूर रहने का एलान किया था। हालांकि बाद में उन्हें पंजाब की प्रांतीय सरकार की प्रशासनिक बैठकों की अध्यक्षता या सह-अध्यक्षता करते देखा गया। इससे पहले मार्च में शरीफ ने प्रांतीय सरकार की तीन प्रशासनिक बैठकों की अध्यक्षता की थी। शरीफ ने संबंधित अधिकारियों और मंत्रियों को प्रांत में विभिन्न ढांचा परियोजनाओं के संबंध में निर्देश जारी किए थे। जिसमें भूमिगत ट्रेन और मेट्रो बस, किसानों दुर्दशा, छात्रों के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और रमजान राहत पैकेज शामिल है। आठ फरवरी को हुए आम चुनाव शरीफ लाहौर सीट से चुने गए थे।

पाकिस्तान में हिंदू युवती के अपहरण पर उबाल, अल्पसंख्यकों के साथ बढ़ रहे मामलों को लेकर जमकर विरोध

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में अक्सर अल्पसंख्यक युवतियों के अपहरण और धर्मांतरण की खबरें प्रकाश में आती रही हैं। ताजा मामला डेरा मुराद जमाली कस्बे का है, जहां कुछ दिनों पूर्व हिंदू युवती प्रिया कुमारी का सुक्कुर से अपहरण हुआ। लेकिन उसके बारे में पुलिस ने अब तक कोई मालुमात हासिल नहीं किए। इसे लेकर हिंदू समुदाय में जबरदस्त उबाल है। समुदाय ने इसके खिलाफ रैली निकाली व उग्र प्रदर्शन किया।

डेरा मुराद जमाली में हिंदू समुदाय के सदस्यों और व्यापारियों ने अपहरण की निंदा करते हुए उग्र प्रदर्शन किया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कुमारी का पता लगाने और उसे बचाने में विफलता पर निराशा व्यक्त की। हिंदू समुदाय के वरिष्ठ नेताओं ने मुखी माणक लाल और सेठ तारा चंद के नेतृत्व में रैली निकाली। इसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से नाता रखने वाले लोगों ने हिस्सा लिया। एजेंसी

देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी भी दी गई: हिंदू समुदाय ने देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन की कड़ी चेतावनी भी दी है। ह्यूमन राइट्स फोकस पाकिस्तान (एचआरएफपी) ने भी देश में अल्पसंख्यकों के धार्मिक उत्पीड़न की कड़ी निंदा की है। उग्र लोगों ने बड़े आंदोलन की तैयारी की है। एचआरएफपी ने कहा कि गत कुछ माह के दौरान विभिन्न हमलों में ईसाई, हिंदू, अहमदिया, सिख और अन्य समुदायों के कई लोग पीड़ित हुए हैं। एचआरएफपी एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) है।

श्रीलंकाई मंत्री बोले- कच्चाथीवू पर भारत से बात नहीं हुई, लौटाने को कहा तो जवाब देंगे

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के मंत्री ने कहा है कि भारत ने अब तक कच्चाथीवू द्वीप को लेकर उनकी सरकार से कोई बात नहीं की है। द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में श्रीलंका के मंत्री जीवन थोंडामन ने कहा कि भारत ने कच्चाथीवू पर अधिकार लौटाने को लेकर उनसे कोई मांग नहीं की है। अगर भारत की तरफ से ऐसी कोई रिक्वेस्ट आई तो हम जरूर जवाब देंगे।

दरअसल, तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा था कि केंद्र सरकार कच्चाथीवू को वापस हासिल करने के लिए जरूरी कदम उठा रही है। श्रीलंका की कैबिनेट में कच्चाथीवू को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

श्रीलंका के मंत्री का ये बयान उस वक्त आया है, जब सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-श्रीलंका के बीच स्थित कच्चाथीवू द्वीप पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि इंदिरा सरकार ने 1974 में भारत का ये द्वीप श्रीलंका को दे दिया था। जयशंकर ने कहा था कि 1974 में इंडिया और श्रीलंका ने एक समझौता किया, जिसके जरिए दोनों देशों के बीच समुद्री सीमा का

निर्धारण हुआ। इस सीमा को तय करते वक्त कच्चाथीवू को श्रीलंका को दे दिया गया। इस समझौते की 3 और कंडीशन थीं। पहली- दोनों देशों का अपनी जल सीमा पर पूरा अधिकार और संप्रभुता होगी। दूसरी- कच्चाथीवू का इस्तेमाल भारतीय मछुआरे भी कर सकेंगे और इसके लिए किसी ट्रैवल डॉक्यूमेंट की आवश्यकता नहीं होगी। तीसरी- भारत और श्रीलंका की नौकाएं एक-दूसरे की सीमा में यात्राएं कर सकेंगी जैसा वह परंपरागत रूप से करती आ रही हैं। यह समझौता संसद में रखा गया। तब के विदेश मंत्री स्वर्ण सिंह ने 23 जुलाई 1974 को संसद को भरोसा दिलाया था। मैं उन्हीं का स्टेटमेंट पढ़ रहा हूं, जो कहता है- मुझे विश्वास है कि दोनों देशों के बीच सीमाओं का निर्धारण बराबरी से हुआ है, ये न्यायसंगत है और सही है।

स्वर्ण सिंह ने आगे कहा था, मैं सभी सदस्यों को याद दिलाना चाहता हूं कि इस समझौते को करते वक्त दोनों देशों को भविष्य में मछली पकड़ने, धार्मिक कार्य करने और नौकाएं चलाने का अधिकार रहेगा। 2 साल के भीतर ही इंडिया और श्रीलंका के बीच एक और समझौता हुआ था। एस जयशंकर ने कहा था, कच्चाथीवू और मछुआरों के मसले पर अब कांग्रेस और डीएमके इस तरह का व्यवहार कर रही हैं कि उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है और आज की केंद्र सरकार इस मसले को हल करे। जैसे इसका कोई इतिहास नहीं है, जैसे ये अभी हुआ है। कांग्रेस-डीएमके वे लोग हैं, जो इस मसले को उठा रहे हैं। पिछले 20 साल में 6184 भारतीय मछुआरों को श्रीलंका ने पकड़ा। भारत की मछली पकड़ने वाली 1175 नावें सीज की गईं। जब भी कोई गिरफ्तारी होती है, जो ये लोग मुद्दा उठाते हैं। चेन्नई में बैठकर बयान देना आसान है।

सीनेट चुनाव में 19 सीट के परिणाम जारी, पीएमएल-एन के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन की बड़ी जीत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की द्विसदनीय संसद के ऊपरी सदन की 48 खाली सीट को भरने की चुनावी प्रक्रिया के बाद 19 सीट के परिणाम घोषित किए गए हैं। इसमें सत्तारूढ़ गठबंधन ने भारी जीत हासिल की। सत्तारूढ़ गठबंधन के दलों पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और अन्य दलों ने 19 में से 18 सीट पर जीत दर्ज की। जबकि एक निर्दलीय उम्मीदवारों को भी उनके समर्थन से चुना गया। सिंध की 12 सीट, पंजाब की 5 सीट और इस्लामाबाद की दो सीट पर मतदान हुआ। पंजाब में पीएमएल-एन ने सभी सीट हासिल की। जबकि सिंध में पीपीपी को 10 सीट मिलीं और एक सीट मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) और एक निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। पीएमएल-एन और पीपीपी ने इस्लामाबाद में एक-एक सीट जीती हैं। 18 उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके थे। जिनमें बलूच्िस्तान के 11 और पंजाब के 7 उम्मीदवार शामिल थे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।